www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
19 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 27 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

वीडी सतीशन बने केरल के नए मुख्यमंत्री, ली शपथ

● राहुल गांधी ने लगाया गले, खड़गे-प्रियंका भी समारोह में रहे मौजूद

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में अब सतीशन युग की शुरुआत हो गई है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद वी डी सतीशन ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें मलयालम भाषा में शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्य में पिछले 10 साल से चला आ रहा वामपंथी शासन आधिकारिक रूप से खत्म हो गया है। सतीशन के शपथ

ग्रहण समारोह में कांग्रेस के बड़े नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। इस दौरान राहुल सतीशन को गले लगाते भी नजर आए। उनके अलावा कर्नाटक के सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू भी समारोह में मौजूद रहे। वहीं वरिष्ठ नेता चेन्नित्तला भी शपथ ग्रहण समारोह में नजर आए। खास बात यह भी रही कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन शपथ ग्रहण के दौरान मंच पर नजर आएं। **20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी ली शपथ-** सतीशन के साथ 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने शपथ ली। शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

छग के आदिवासी युवाओं को मिलेगा 15 फीसदी आरक्षण

● बस्तर में शाह का बड़ा ऐलान, कहा-गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थल

रायपुर (एजेंसी)। नक्सलवाद खात्मे के बाद पहली बार बस्तर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेतानार में कहा कि, आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पिछले 6 महीनों के काम के बाद अब यह पूरा क्षेत्र आदिवासियों से भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी धरा से अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ने का काम अमर शहीद गुंडाधुर ने किया था। शाह ने कहा कि एक दौर वह भी था

जब यहां एक साथ 6 पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती थी, स्कूल उजाड़ दिए जाते थे और गरीबों का राशन तक छीन लिया जाता था। नक्सलियों का खौफ ऐसा था कि वे मासूम बच्चों को उनके बचपन में ही जबरन उठा ले जाते थे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अब सरकार ने कड़े कदम उठाकर बस्तर से इस गनतंत्र को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब इस ऐतिहासिक धरती को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों को अब वे तमाम आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो पहले केवल बड़े शहरों में ही मिलती थीं। अब हर गरीब परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

● सीसीटीवी में कैद हुई घटना, खुलासे के बाद मचा हड़कंप

आरएसएस मुख्यालय के पास फायरिंग

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है। बाइक सवार युवकों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1 यानी आरएसएस के मुख्यालय की तरफ को खुलेआम फायरिंग की। फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। कुछ दिन पहले नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के संवेदनशील जोन में विस्फोटक की बरामगी हुई थी। अब इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ रहे हैं। सीसीटीवी के कैद हुई फुटेज में छह बाइक सवार फायरिंग करते हुए दिख रहे हैं। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है तो वहीं नागपुर के कोठी रोड इलाके में फायरिंग हुई है।

रविवार रात को हुई फायरिंग की वारदात

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना रविवार यानी 17 मई को रात हुई, जब छह अनजान लोग तीन मोटरसाइकिलों पर आए और उस इलाके में फायरिंग शुरू कर दी, जहां से आरएसएस हेडक्वार्टर 1.5 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायत करने वाले सौरभ से हुए झगड़े के बाद रवि मोहतो और गंगा काकड़े ने कथित तौर पर फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने इलाके में दबदबा बनाने और दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग की थी। जांच करने वालों को शक है कि आरोपियों के बीच आपसी झगड़ा भी था। रेशीम बाग में संघ मुख्यालय होने के कारण इस इलाके की सुरक्षा काफी कड़ी रहती है।

दो राउंड फायरिंग का खुलासा

नागपुर के महल क्षेत्र के कोठी रोड इलाके में दो राउंड फायरिंग की गई। पुलिस ने आगे कहा कि रवि मोहतो, गंगा काकड़े और दूसरे आरोपियों का ड्रग ट्रैफिकिंग और गैर-कानूनी सामान रखने के मामलों में पहले का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। उनके क्रिमिनल बैकग्राउंड को देखते हुए, पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। घटना के तुरंत बाद ही थाना कोतवाल पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आरोपियों को ढूंढने की कोशिशें जारी हैं। इसमें सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं।

बारामूला सांसद को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

15 दिनों के लिए जेल से बाहर रहेंगे इंजीनियर राशिद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बारामूला सांसद अब्दुल राशिद शेख को उनके पिता के निधन के आधार पर अंतरिम जमानत दे दी है। उन्हें 2 जून तक अंतरिम जमानत दी गई है। अब्दुल राशिद शेख एनआईए के एक मामले में आरोपी हैं और तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। इससे पहले, उन्हें अस्पताल में अपने पिता से मिलने के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। बता दें कि इंजीनियर रशीद को आतंकवाद की फंडिंग के आरोप में यूएपीए के तहत साल 2019 में गिरफ्तार किया गया था और इस समय वो दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले भी दिल्ली हाईकोर्ट ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए राशिद इंजीनियर को 5 मई से 10 मई तक अपने बीमार पिता से एम्स में मिलने के लिए सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक की कस्टडी पैरोल दी थी। अब पिता के निधन के बाद अंतिम जनाजे में शामिल होने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत दी गई है।

भाजपा ने अब केरल के लिए तैयार किया 13 सूत्रीय एजेंडा

● ओबीसी वोटर और अल्पसंख्यकों को लेकर बनाया है खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर जीत से उत्साहित भाजपा ने 13 सूत्रीय राजनीतिक एजेंडा तैयार किया है, जिसके बारे में उसका कहना है कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में उसकी रणनीति को आकार देगा। पार्टी ने इस एजेंडे में हिंदू पिछड़े समुदायों के बीच समर्थन को मजबूत करने, साथ ही अल्पसंख्यक समूहों तक पार्टी की पहुंच को भी नए सिरे से मजबूत करने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि यह एजेंडा शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में अपनाए गए एक राजनीतिक प्रस्ताव का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव से पहले अल्पसंख्यक समुदायों (विशेष रूप से ईसाइयों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के पहले के प्रयासों के बावजूद) पार्टी के दस्तावेज में उनके प्रति नई संपर्क पहलों की स्पष्ट रूपरेखा नहीं दी गई है।

सीएम योगी का ऐलान

सड़क पर नहीं पढ़ने देंगे नमाज

● कहा-प्यार से माने तो ठीक, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे ● बकरीद से एक हफ्ते पहले दी चेतावनी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोग घर में नमाज करें या शिफ्ट में पढ़ें। सड़क पर नमाज नहीं होने देंगे। प्यार से मानेंगे तो ठीक है, नहीं तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। लखनऊ में सोमवार को एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल होने आए थे। यहां उन्होंने कहा- लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या आपके यूपी में लोग सड़कों पर सचमुच नमाज नहीं पढ़ते। मैंने कहा कि बिल्कुल नहीं।

संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ें नमाज

मुख्यमंत्री ने कहा- अगर सामर्थ्य नहीं है तो क्यों बेवजह संख्या बढ़ाए जा रहे हो। सिस्टम के साथ अगर रहना है तो नियम और कानून को मानना होगा। यहां कानून का राज होगा। अगर पढ़ना आवश्यक है तो आप शिफ्ट में पढ़िए। हम उसको रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं। सड़क चलने के लिए है। एक बीमार व्यक्ति के लिए, एक आम नागरिक के लिए, एक कामगार के लिए, एक कर्मचारी के लिए, एक व्यापारी के लिए हम सड़क को बाधित नहीं होने देंगे। हमारा काम है संवाद बनाना। आप अगर संवाद से मानेंगे तो ठीक है नहीं तो संघर्ष करके भी देख लो। बरेली में इन लोगों ने ताकत आजमाया। देख लिया इनकी ताकत।

यूपी में किसी तरह की अराजकता नहीं फैलने देंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने सबको कहा कि भाई चलने नहीं देंगे। अराजकता नहीं फैलने देंगे। कानून का राज सबके लिए है। यदि आपकी संख्या अधिक है तो शिफ्ट में नमाज पढ़ें लेकिन सड़क पर मत पढ़ें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आपको सिस्टम के साथ रहना है तो नियम और कानून को मानना शुरू करें। कानून का राज होगा, कानून का राज सबके लिए समान रूप से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर नमाज पढ़नी आवश्यक है, आप शिफ्ट में पढ़िए, हम उसको रोकेंगे नहीं लेकिन सड़क पर नहीं होने देंगे। सड़क चलने के लिए है, एक आम नागरिक, एक बीमार व्यक्ति और एक कामगार के लिए है। उन्होंने कहा, हम सड़क को बाधित नहीं करने देंगे। सरकार का नियम सार्वभौम है, सबके लिए समान रूप से लागू होता है। हमने सबको कहा कि अब ये नहीं चलने देंगे।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई का शिकंजा

● अभिभावकों पर भी नजर, नांदेड़ से लातूर तक मची खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले का दायरा अब बढ़ते-बढ़ते छात्रों के घर तक पहुंच गया है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की टीम ने हाल के दिनों में जांच के दौरान कई ऐसे माता-पिता से भी पूछताछ की, जिन पर कथित तौर पर लीक हुए प्रश्न पत्र खरीदने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, सीबीआई की आठ अधिकारियों वाली एक टीम ने शनिवार और रविवार को तीन से चार अलग-अलग जगहों पर तलाशी ली। इनमें नांदेड़ के विष्णुपुरी इलाके में स्थित एक घर और लातूर की कुछ जगहें शामिल हैं। यह तलाशी तब ली गई, जब एजेंसी को यह जानकारी मिली कि इन परिवारों ने कथित तौर पर अपनी बेटियों के लिए नीट के लीक हुए पेपर हासिल किए थे। **पेपर के लिए बिचौलियों को दिए 5 से 10 लाख रुपये-** अधिकारियों को शक है कि परीक्षा से पहले लीक हुए पेपर पाने के लिए उन्होंने बिचौलियों को 5 से 10 लाख रुपये के बीच की रकम दी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह रैकेट पेपर बनाने वालों और बिचौलियों के मुख्य नेटवर्क से भी आगे तक फैला हुआ था।

खंगाले जा रहे फोन कॉल और मैसेज का ब्योरा

सीबीआई अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों और संचार से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की। इनमें परिवार के सदस्यों के बीच हुई फोन कॉल और मैसेज का ब्योरा भी शामिल था। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि नांदेड़ वाले मामले में, छात्रा के पिता (जो एक व्यवसायी हैं) ने लीक हुए पेपर हासिल करने के लिए लगभग 10 लाख रुपये चुकाए थे। इसमें से 5 लाख रुपये एक बिचौलिए को और 5 लाख रुपये किसी दूसरे व्यक्ति को दिए गए थे। जांच टीम छात्रा के पुणे स्थित एक कोचिंग संस्थान से संबंधों की भी जांच कर रही हैं। बताया जा रहा है कि नीट की तैयारी के लिए वह 5 दिनों तक उस संस्थान में रुकी थी।

43 साल बाद नॉर्वे पहुंचा कोई भारतीय प्रधानमंत्री

● पीएम स्टोरे के साथ की द्विपक्षीय मीटिंग, यूरोप में नये युग की शुरुआत

ओस्लो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिनों के दौरे पर नॉर्वे की राजधानी ओस्लो पहुंच गये हैं। करीब 43 वर्षों के बाद ये पहला मौका है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे की धरती पर कदम रखा है। इससे पहले जून 1983 में इंदिरा गांधी ने नॉर्वे का दौरा किया था। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब यूरोप एक गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में मुश्किलें आ रही हैं और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के कारण हरित प्रौद्योगिकियों और आर्कटिक क्षेत्र में लोगों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। ओस्लो इस साल बहुप्रतीक्षित तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है जिसमें मोदी और नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड,

आइसलैंड के साथ साथ स्वीडन के नेता एक साथ शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने नॉर्वे पहुंचने के बाद कहा - नॉर्वे के ओस्लो में मेरा आगमन हुआ। हवाई अड्डे पर मेरे गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर का आभारी हूं। चार दशकों से भी अधिक समय में नॉर्वे की यह पहली प्रधानमंत्री-स्तरीय यात्रा है। मुझे विश्वास है कि यह भारत-नॉर्वे की मित्रता को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। मैं महामहिम राजा हेराल्ड और महारानी सोन्या से भेंट की है और प्रधानमंत्री स्टोर के साथ वार्ता भी। कल 19 तारीख को ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा जो मेरे नॉर्डिक समकक्षों से मिलने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। **नई दिल्ली को धीरे-धीरे इस महाद्वीप का महत्व समझ आ रहा है -** आपको बता दें कि दशकों तक भारत की महाद्वीपीय यूरोपीय रणनीतियां मुख्य रूप से पेरिस, बर्लिन और मॉस्को जैसे पारंपरिक दिग्गजों पर केंद्रित रहीं। लेकिन नई दिल्ली को धीरे-धीरे इस महाद्वीप के सुदूर उत्तरी क्षेत्र की ओर रुख करना के महत्व समझ में आने लगा।

बंगाल में मौलवियों की सरकारी सैलरी होगी बंद

● महिलाओं को 3000 रुपए, सातवें वेतन आयोग को मंजूरी ● शुभेंदु अधिकारी की दूसरी कैबिनेट के लिए गए कई बड़े फैसले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में बनी नई भाजपा सरकार ऐक्शन में दिख रही है। सत्ता संभालने के बाद शुभेंदु कैबिनेट की हुई दूसरी मीटिंग में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई है। इनमें सबसे अहम राज्य में 'अन्नपूर्णा योजना' को मंजूरी है, जिसके तहत हरेक महिला को हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में अगले महीने यानी 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह देने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त सफर करने की इजाजत देने के फैसले पर भी मुहर लगाई गई है। कैबिनेट मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की मंत्री अग्निमित्र पॉल ने कहा कि जिन महिलाओं ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए अप्लाई किया था और वोटर रोल में नाम दर्ज कराने के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था, उन्हें भी अन्नपूर्णा स्कीम का फायदा मिलेगा।

एक जून से फ्री बस सफर का ऐलान

उन्होंने कहा, कैबिनेट ने 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये हर महीने आर्थिक मदद देने वाली अन्नपूर्णा स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 1 जून से सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों, और संबंधित कानूनी सिविक बॉडीज, एजुकेशन बोर्ड और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 7वें वेतन आयोग के गठन को भी मंजूरी दे दी है।

जल्द ही एक पोर्टल खोला जाएगा

पॉल ने आगे कहा कि बंगाल कैबिनेट ने जून से धार्मिक कैटेगरी के आधार पर ग्रुप्स को सरकारी मदद बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के अनुरूप राज्य की मौजूदा ओबीसी सूची रद्द कर दी है और आरक्षण पात्रता तय करने के लिए एक जांच समिति का गठन करने का फैसला किया है। पॉल ने यह भी कहा कि इससे पहले लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं को अब खुद ही नई अन्नपूर्णा योजना का लाभ मिलेगा लेकिन जिन महिलाओं ने अब तक यह लाभ नहीं उठाया है, उनके लिए जल्द ही एक पोर्टल खोला जाएगा, जहां वे आवेदन कर सकेंगी। भाजपा सरकार ने यह भी फैसला लिया है कि अब राज्य में मदरसा विभाग और सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के तहत चल रही धर्म आधारित सहायता योजनाओं को बंद किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, इन योजनाओं को अगले महीने से ही बंद कर दिया जाएगा।

सीएम ने एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रदत्त 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस का किया फ्लैग ऑफ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से एचडीएफसी बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) पहल के अंतर्गत जनहित के लिए प्रदान की गई 4 अत्याधुनिक एम्बुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। यह पहल राज्य के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निजी संस्थाओं द्वारा जनहित में किया जा रहा सहयोग सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। एचडीएफसी बैंक द्वारा उरफ के माध्यम से उपलब्ध कराई गईं ये एम्बुलेंस जरूरतमंद लोगों तक त्वरित चिकित्सा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राज्य सरकार जनभागीदारी एवं संस्थागत सहयोग के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने एचडीएफसी बैंक की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि बड़े धार्मिक आयोजनों, आपदा की स्थितियों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में ऐसी सेवाएं अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के अन्य पर्वतीय जनपदों और आगामी हरिद्वार कुंभ के लिए भी एचडीएफसी बैंक से उरफ के माध्यम से और एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है।

बैंक अधिकारियों ने अवगत कराया कि इन एम्बुलेंस में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एवं आवश्यक आपातकालीन उपकरण उपलब्ध हैं, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। साथ ही आगामी तीन वर्षों तक प्रत्येक एम्बुलेंस में चिकित्सक, नर्स, अटेंडेंट एवं चालक की व्यवस्था भी बैंक द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

प्रारंभिक चरण में ये एम्बुलेंस चमोली, चंपावत, पिथौरागढ़ एवं रुद्रप्रयाग जनपदों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी तथा भविष्य में राज्य के प्रमुख धार्मिक आयोजनों एवं आपदा प्रबंधन कार्यों में भी इनका उपयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक राजकुमार पोरी, विनोद कंडारी,अपर सचिव मनमोहन मैनाली, एचडीएफसी बैंक के से मुस्कान सिंह (ब्रांच बैंकिंग हेड– नॉर्थ 3), संजीव कौशिक (रीजनल हेड– नॉर्थ 3), जोनल हेड उत्तराखंड बकुल सिक्का, स्टेट हेड उत्तराखंड गौरव जैन एवं आयुष सिंघल मौजूद थे।

मुख्यमंत्री धामी ने नवनियुक्त कार्मिकों को पत्र लिखकर दी शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते चार साल में सरकारी सेवा में चयनित हुए कार्मिकों को डिजिटल माध्यम से पत्र लिखकर, उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकानाएं प्रेषित की है। मुख्यमंत्री धामी ने पत्र में कहा है कि उत्तराखण्ड की जनता द्वारा उन्हें वर्ष 2022 में दूसरी बार मुख्य मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा गया था। इस जनादेश की भावना के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने के दिन से ही प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने के लिए, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का व्यापक अभियान शुरु किया गया। इसके बाद बीते चार साल में राज्य सरकार द्वारा लगभग 30 हजार से अधिक युवाओं को राजकीय सेवक के रूप में नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है, यह अभियान आगे भी जारी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्र में कहा है कि अब युवा अपनी शानदार प्रतिभा और कठोर मेहनत के आधार पर राजकीय सेवा में चयनित हो रहे हैं। इस योग्यतम चयन में जहाँ एक ओर युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का योगदान है, वहीं राज्य सरकार के कठोर नकल विरोधी कानून के साथ ही निष्पक्ष, ईमानदार और पारदर्शी चयन प्रक्रिया ने भी युवा प्रतिभा को उचित सम्मान मिलना सुनिश्चित किया है।

संक्षिप्त समाचार

पुनर्वास प्रस्तावों की सूची 10 दिन में दें : एडीएम

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट में एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में आपदा प्रभावित गांवों का पुनर्वास को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में बालगंगा और घनसाली तहसील क्षेत्र के आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर चर्चा की गई। बैठक में तहसीलदार हरीश चंद्र जोशी ने बताया कि बालगंगा तहसील क्षेत्र के सात और घनसाली तहसील क्षेत्र के चिह्नित 10 गांवों के 51 परिवारों का विस्थापन किया जाना है। तहसीलदार ने बताया कि प्रभावितों में से कई प्रभावितों ने विस्थापन के लिए असहमति भी जताई है जबकि कई ऐसे ग्रामीण हैं जिनका प्रभावित स्थल के निकट दूसरा सुरक्षित ठिकाना है जिस पर एडीएम शैलेंद्र ने मानसून से पहले प्रत्येक प्रभावित परिवार के विस्थापन के लिए पत्रावलियों को बिंदुवार तैयार कर 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

11 साल बाद भी नही बना भवन

रुद्रप्रयाग। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को राजस्व और जमीन संबंधी कार्यों में सुविधा देने के लिए बसुकेदार तहसील में स्थायी भवन नहीं है। तहसील कार्यालय इन दिनों पुराने व जर्जर मातृ शिशु केंद्र भवन में चल रहा है। क्षेत्र की 66 ग्राम सभाओं के ग्रामीण कई सालों से तहसील भवन निर्माण की आस लगाए हैं। वर्ष 2015 में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने यहां पहुंचकर तहसील का शिलान्यास किया था, तब से 11 साल बीत गये पर भवन का निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ। स्थायी भवन न होने से व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। हाल यह है कि कई बार तहसील बिना तहसीलदार के भी संचालित होती रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री के निर्देश पर तहसीलदार की तैनाती तो कर दी गई, लेकिन भवन निर्माण कार्य नहीं हुआ। पूर्व प्रधान मोहन सिंह भण्डारी, पूर्व क्षेत्र पंचाय सदस्य धीर सिह भण्डारी, अरविंद भट्ट, महाबीर सिह, कैलाश भट्ट, ने बताया कि ग्राम सभा डालसिगी के लोगों ने 70 नाली नाप भूमि शपथ पत्र सहित दान दी है जो इन दिनों बंजर पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि यदि तहसील भवन निर्माण शीघ्र नहीं किया गया तो वे जनता के साथ आंदोलन करने को मजबूर होगें।

20 मई को बाजपुर में बंद रहेंगी दवा की दुकानें

काशीपुर। ऑनलाइन ई–फार्मेसी और बड़े कॉरपोरेट्स की मनमानी नीतियों के खिलाफ 20 मई को देशव्यापी हड़ताल के तहत नगर में भी दवाइयों का कारोबार पूरी तरह ठप रहेगा। स्थानीय केमिस्ट एसोसिएशन ने इस संबंध में सोमवार को उपजिलाधिकारी को एक अग्रिम सूचना पत्र सौंपकर अपनी मांगों के समर्थन में हस्तक्षेप और अनुशंसा की मांग की है। सोमवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चेताया कि अगर सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो छोटे और मध्यम दवा विक्रेताओं के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स और राज्य संगठन उत्तरांचल औषधि व्यवसायी महासंघ के आह्वान पर यह कदम उठाया जा रहा है। देश भर के करीब 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट्स और उनसे जुड़े लगभग 4 से 5 करोड़ आश्रितों की आजीविका आज खतरे में है। केंद्र और राज्य स्तर पर कई बार गुहार लगाने के बावजूद दवा व्यापार और जनस्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मुद्दों का अब तक समाधान नहीं हो पाया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, सचिव पवन कुमार और कोषाध्यक्ष वरयाम चैधरी समेत क्षेत्र के कई प्रमुख दवा विक्रेता मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में 20 मई की एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मैक्स खड़े वाहन से टकराया, आठ श्रद्धालु घायल

चम्पावत। टनकपुर में पूर्णागिरि के श्रद्धालुओं से भरा मैक्स एक अन्य खड़े वाहन से टकरा गया। हादसे में मैक्स में सवार आठ श्रद्धालु घायल हो गए। सभी उपचार के बाद अस्पताल में छुट्टी दे दी गई। मिली जानकारी के अनुसार रविवार देर रात स्टेब बैंक तिराहे के पास मैक्स संख्या यूके प05 टी 0635 एक खड़े वाहन से टकरा गया। हादसे में आठ श्रद्धालु घायल हो गए। डॉ.उमर ने बताया उपचार के बाद घायल दर्शना, रामपाल व रंजीत निवासी कल्यानपुर पीलीभीत, सोमवती, रंजना देवी पीलीभीत, काव्या, अनामिका डिडिया नवाजी अली पीलीभीत और लक्ष्मी देवी को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी। मैक्स में सवार श्रद्धालु दर्शन के लिए पूर्णागिरि जा रहे थे।

भवन की किचन की दीवार गिरने से दो लोग घायल

उत्तरकाशी। विकासखंड के दिकोली–नेरी स्थित इंडेन गैस सिलिंडर स्टोर भवन में बीती देर रात अचानक बड़ा हादसा हो गया। भवन के किचन की दो दीवारें भरभराकर गिर गईं। हादसे के समय कमरे में गैस सप्लायर ठेकेदार और उसका एक सहयोगी सो रहे थे जो मलबे की चपेट में आकर घायल हो गए। आसपास रह रहे आईटीआई कर्मचारियों ने राहत कार्य शुरू किया और दोनों घायलों को मलबे से बाहर निकालकर चिन्यालीसौड़ अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज और गहन चिकित्सा के लिए देहरादून हायर सेंटर रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों को अंदरूनी चोटें आई हैं। हालांकि फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

पहाड़ों के बाद अब मैदानों में स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल का एक्शन

हरिद्वार। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने आज हरिद्वार दौरे के दौरान अचानक चैनराय जिला महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में साफ–सफाई एवं व्यवस्थाओं की स्थिति संतोषजनक न मिलने पर मंत्री ने गहरी नाराज़गी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री एक निजी कार्यक्रम के सिलसिले में हरिद्वार पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने बिना पूर्व सूचना के अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था, रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं में कई कमियां सामने आईं, जिस पर मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य के सभी सरकारी एवं गैरसरकारी अस्पतालों में स्वच्छता और मरीजों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पताल परिसरों में साफ–सफाई, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एवं मरीजों के लिए सुचारु व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि आमजन को बेहतर

शॉर्ट सर्किट होने से आठ घंटे ठप रही बिजली आपूर्ति

रुद्रप्रयाग, रामपुर दुर्गा मंदिर के समीप बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से रामपुर व सोनप्रयाग के बीच रविवार को आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इस दौरान व्यवसायियों ने जनेटर चलाकर व्यवस्था बनाई। व्यवसायी प्रमोद रावत ने बताया कि रविवार सुबह 10 बजे से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी। रामपुर दुर्गा मंदिर के समीप बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हो गया। लगातार होते रहे शॉर्ट सर्किट से लोग घबरा गए। ऊर्जा निगम को सूचित किया गया। सूचना पर कर्मचारी पहुंचे और देर शाम इसे दुरुस्त किया गया। उन्होंने बताया कि बिजली लाइन के तार जमीन पर ही खुले छोड़े जा रहे हैं जिससे खतरा पैदा हो रहा है। अधिशासी अभियंता मनोज कुमार सती ने कहा कि जिन तारों में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी है उसके निकट विभाग ने तार नहीं बिछाई है। स्थानीय व्यक्ति ने पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप बिछाए हैं जिसमें हो रही अर्थिंग से इस तरह की घटना हो रही हैं और समस्या का समाधान किया जा रहा है।

आज अपने मंदिर के लिए रवाना होगी मद्महेश्वर की डोली

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में भगवान मद्महेश्वर की भोग मूर्तियों की सभा मंडप में पूजा अर्चना की।

यहां भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी में केदार लिंग, मुख्य पुजारी शिवशंकर लिंग, वेदपाठी विश्वमोहन जमलोकी, नवीन मैठाणी ने वैदिक मंत्रोच्चारण किया। सभा मंडप में पंच गौंडारियों में थोर भंडारी मदन सिंह पंवार व हक हकूकधारी उपस्थित रहे। मंदिर के प्रबंधक विजेंद्र बिष्ट ने बताया कि 19 मई को सुबह सात बजे भगवान मद्महेश्वर की चल उत्सव विग्रह डोली अपने मूल मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी व डोली का रात्रि प्रवास रांसी स्थित राकेश्वरी मंदिर होगा। 20 मई को डोली गौंडार पहुंचेगी व 21 मई को गांव से डोली मद्महेश्वर के लिए रवाना होगा।

धरासू–जोगत मार्ग पर डामरीकरण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

उत्तरकाशी। विकासखंड के तहत धरासू–जोगत मोटर मार्ग पर हाल ही में हुए डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग करोड़ों की लागत से सड़कों का डामरीकरण तो कर रहा है लेकिन मार्ग पर मौजूद संवेदनशील और खतरनाक स्थलों के स्थायी समाधान की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब एक सप्ताह पूर्व मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य कराया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेरी–तुल्याड़ा क्षेत्र के समीप बना बड़ा डेंजर जोन आज भी राहगीरों, ग्रामीणों और वाहन चालकों के लिए खतरा बना है। धरासू पुल से लेकर देवीसौड़ तक सड़क पर डामरीकरण का कार्य किया गया है लेकिन बरसात को देखते हुए ग्रामीणों ने डेंजर जोन के स्थायी उपचार की मांग तेज कर दी है। कनिष्ठ प्रमुख भानुप्रिया थपलियाल, बीजेपी नेता अमित सकलानी ने कहा कि केवल सड़क पर डामर बिछा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा जब तक भूस्खलन प्रभावित और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक तरीके से ट्रीटमेंट नहीं किया जाता।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने के साथ–साथ नेरी–तुल्याड़ा डेंजर जोन के स्थायी समाधान की मांग की है।

कुंभ मेला 2027 : श्रद्धालुओं को मिलेंगी अत्याधुनिक एवं निर्बाध संचार सुविधाएं

हरिद्वार। कुंभ मेला 2027 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को निर्बाध एवं अत्याधुनिक संचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मेला प्रशासन ने अभी से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। 14 जनवरी से 20 अप्रैल 2027 तक हरिद्वार में आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के दौरान मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं को मजबूत बनाने हेतु दूरसंचार विभाग तथा प्रमुख मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के सहयोग से विशेष कार्ययोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। कुंभ मेला क्षेत्र में स्थायी सेल्युलर टावरों की संख्या बढ़ाने के साथ–साथ बड़ी संख्या में सेल ऑन व्हील तथा स्मॉल सेल टावर स्थापित किए जाएंगे, ताकि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी श्रद्धालुओं को निर्बाध मोबाइल एवं इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

मेलाधिकारी सोनिका ने इस सिलसिले में दूरसंचार विभाग एवं मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के साथ बैठक कर कुंभ मेला 2027 के दौरान संभावित भारी भीड़ को देखते हुए संचार सेवाओं की क्षमता वृद्धि एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व के कुंभ मेलों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार संचार व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं व्यवस्थित बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुंभ नगरी के सभी सेक्टरों में पर्याप्त संख्या में अस्थायी मोबाइल टावर स्थापित किए जाएंगे।

तांबाखानी में कूड़े का ढेर बना मुसीबत, गंदा पानी भागीरथी में गिर रहा

उत्तरकाशी। तांबाखानी में एकत्रित नगर के कूड़े का विधिवत निस्तारण नहीं होने के कारण यह लोगों के मुसीबत बन रहा है। कूड़े से निकल रहा गंदा पानी पहाड़ी के बाद उत्तरकाशी–लंबगांव सड़क पर बह रहा है। साथ ही उसके बाद यह सीधा भागीरथी नदी के जोशियाड़ा बैराज में जा रहा है। बावजूद नगरपालिका की ओर से वहां पर प्रतिदिन एकत्रित हो रहे कूड़े के निस्तारण के लिए किसी प्रकार की योजना नहीं बनाई गई है। तांबाखानी में प्रतिदिन नगर क्षेत्र का कूड़ा एकत्रित हो रहा है। कूड़ा गर्मी के सीजन के साथ ही इन दिनों हो रही बारिश के दौरान लोगों के लिए मुसीबत बन रहा है। करीब दो माह पूर्व तांबाखानी से उत्तरकाशी–लंबगांव मोटर पर गिरे गिले कूड़े पर एक स्कूटी के फिसलने से एक व्यापारी की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके बावजूद पालिका की ओर से इसके निस्तारण के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। हर दिन मार्ग से अधिकारी आवागमन कर रहे हैं।

उसके बावजूद अनदेखी की जा रही है। नगरपालिका के सफाई निरीक्षक गणेश कंसवाल का कहना है कि तांबाखानी से बरसात से पूर्व कूड़े को हटाया जाएगा। साथ ही कूड़े से आ रहे पानी का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा।

जरूरतमंद बच्चों की मदद को आगे आईं शिक्षिका

देहरादून। डीएवी इंटर कॉलेज में सेवाएं दे रहीं शिक्षिका डॉ. बबीता सहोत्रा अध्यापन कार्य के साथ मलिन बस्तियों डीएल रोड, पथरिया पीर, इंदिरा कॉलोनी और अन्य क्षेत्रों में जाकर ड्रॉपआउट बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कुछ बच्चों का डीएवी इंटर कॉलेज करनपुर, शहीद कैप्टन प्रतीक आचार्य इंटर कॉलेज डोभालवाला और श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज कालिदास रोड में प्रवेश दिलवाया है। जरूरतमंद बच्चों की फीस जमा करवाने के साथ – साथ उन्हें कॉपी किताबें भी उपलब्ध करवाई हैं। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में उन्होंने सहयोग किया।

शिक्षक संघ ने दिया सीओ कार्यालय में धरना

उत्तरकाशी। राजकीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने टीईटी समाप्त करने सहित 13 सूत्री मांगों को लेकर सीईओ कार्यालय में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नगर क्षेत्र में रैली निकालकर डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन प्रेषित किया। साथ ही जल्द मांगों का निस्तारण न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। सोमवार को बड़ी संख्या में राजकीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ से जुडे शिक्षक सीईओ कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष भरत सिंह महर, कोषाध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, मंत्री दिनेश सिंह चौहान ने कहा कि लंबे समय से जूनियर हाईस्कूल शिक्षक टीईटी परीक्षा से मुक्त रखने, प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों को पूर्ण सेवकाल में तीन पदोन्नतियां देने, पुरानी पेंशन बहाली करने, प्रदेश के समस्त जूनियर हाईस्कूलों में पांचवां पद अंग्रेजी विषय का अनिवार्य रूप से सृजित किए जाने सहित अन्य 13 सूत्रीय मांग कर रहे हैं। इस मौके पर भगत सिंह महर, घनश्याम प्रसाद, दिनेश सिंह, शूरवीर सिंह, रोशनी बिष्ट, जयलक्ष्मी रावत संजय पंवार, सुभाष शाह, हेमंती डंगवाल, पुलिस सिंह, रमेश चौहान आदि मौजूद रहे।

पीसी जोशी की अस्थियां हरिद्वार में गंगा में विसर्जित

हरिद्वार। भाजपा की वरिष्ठ नेत्री और पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के दिवंगत पति पीसी जोशी की अस्थियां सोमवार को हरिद्वार पहुंचीं। यहां वीआईपी घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी अस्थियों का मां गंगा में विसर्जन किया गया। इस दौरान राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। सभी ने दिवंगत पीसी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीसी जोशी का हाल ही में लखनऊ स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। निधन के बाद राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। सोमवार को उनके पुत्र मयंक जोशी अस्थियां लेकर हरिद्वार पहुंचे। यहां वीआईपी घाट पर तीर्थ पुरोहित मायाराम जी की परंपरागत गद्दी से जुड़े राजीव वशिष्ठ, उमा शंकर वशिष्ठ, श्रेय वशिष्ठ, संजय वशिष्ठ, अभिषेक वशिष्ठ और बृजेश वशिष्ठ ने अस्थि कर्म संस्कार संपन्न कराया। अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में रीता बहुगुणा जोशी, उनके भतीजे और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, शोभाराम प्रजापति समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ढाबों और आश्रमों में विशेष सत्यापन अभियान चलाया

उत्तरकाशी। अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत उत्तरकाशी पुलिस लगातार सघन अभियान चला रही है। अभियान के तहत पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार के नेतृत्व में देवीधार से डुंडा और मातली से गंगोरी तक होटल, ढाबों और आश्रमों में विशेष सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस जांच में कुल 18 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। सत्यापन संबंधी नियमों का पालन न करने वाले 17 व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 4250 रूपये संयोजन शुल्क वसूला गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने होटल और आश्रम मालिकों को अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए भी जागरूक किया।

मलबे से पुजेली–चंदेली नहर क्षतिग्रस्त

उत्तरकाशी। पुजेली–चंदेली सिंचाई नहर पर सड़क कटिंग का मलबा डंप कर नहर को क्षतिग्रस्त किए जाने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर नहर को सुचारू नहीं किया गया और डंपिंग जोन नहीं बदला गया तो सड़क पर चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपकर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान निकाला गया मलबा सीधे नहर में डाला जा रहा है जिससे नहर कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त और बंद हो गई है। इससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है और सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि रामा एवं कमल सिरांई क्षेत्र में इस समय धान रोपाई, धान पौध एवं टमाटर पौध की सिंचाई सहित कृषि कार्यों का महत्वपूर्ण समय चल रहा है।

ऐसे में नहर बंद होने से कई गांवों के किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। समय पर पानी नहीं मिलने से धान की पौध एवं अन्य नकदी फसलें सूख सकती हैं। ज्ञापन देने वालों में श्यालिकराम नौटियाल, पूर्व प्रधान लोकेंद्र नौटियाल, हकुमत सिंह रावत, राजेंद्र रावत, रविंद्र सिंह सजवाण, नितिन सिंह असवाल, प्रदीप सिंह, खजान, पूर्व प्रधान बिजेंद्र सजवाण मौजूद रहे।

एक नजर

मोबाइल के प्रयोग से दूर रहे बच्चे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जानकीनगर स्थित हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल के प्रयोग से दूर रखने का आग्रह किया गया। साथ ही बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर भी सुझाव आमंत्रित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ व शिक्षक दर्शन सिंह मनराल ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिक्षकों ने अभिभावकों से अपने बच्चों को मोबाइल के प्रयोग से दूर रखने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मोबाइल के प्रयोग से बच्चों का ध्यान पठन-पाठन से हट जाता है, जिसके सीधा असर उनके भविष्य पर पड़ता है। कहा कि बच्चे की प्रथम शिक्षक उसकी मां होती है। मां बच्चे को जैसे संस्कार देगी बच्चा उसी प्रकार से व्यवहार करता है। अभिभावकों ने भी बच्चों के पठन-पाठन को लेकर शिक्षकों के सम्मुख अपने सुझाव साझा किए। शिक्षकों ने कहा कि बच्चों के सर्वागींण विकास के लिए विद्यालय स्तर पर हरंसभव प्रयास किए जा रहे है। इस मौके पर शिक्षक प्रयाग दत्त चमोली, मनोज जोशी, अंचल कुमार अग्रवाल, योगेश नेगी, गीता रावत, सुनीता पंत, अंजू चमोला, श्रेया चौधरी मौजूद रहे।

शिक्षकों को सम्मानित करने का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शिक्षक अरूण कुमार परंदियाल को सम्मानित किए जाने का मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ने स्वागत किया है। विद्यालय परिवार ने इसे संस्थान के लिए गर्व का विषय बताया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह ने बताया कि इस वर्ष इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में हिंदी विषय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि दो विद्यार्थियों ने हिंदी में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य के अनुसार इस उपलब्धि में हिंदी शिक्षक अरूण कुमार परंदियाल की विशेष भूमिका रही। विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन देने और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दिलाने पर उन्हें रामनगर में सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी छात्र इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाएंगे।

राशन कार्ड का सत्यापन कार्य शुरु

कोटद्वार : प्रशासन की ओर से कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में राशन कार्डों का डोर-टू-डोर सत्यापन कार्य शुरू करवा दिया गया है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी करन क्षेत्री ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सत्यापन कार्य के लिए उपजिलाधिकारी संदीप कुमार की ओर से अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। टीमें घर-घर जाकर राशन कार्डों का सत्यापन करेंगी। बताया कि यदि राशन कार्ड धारक अपने राशन कार्ड का सत्यापन नहीं करवाता तो उसका राशन कार्ड निरस्त कर दिया जाएगा।

कांग्रेस ने मंहगाई के विरोध में किया प्रदर्शन, सरकार का फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में सोमवार को केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महगांई के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि सरकार महंगाई पर लगाम नहीं लगा पा रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता बुरी तरह परेशान है। कहा कि प्रदेश में गुलदार और भालू के हमलों से कई लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है व लाखों युवाओं का भविष्य अधर में है। प्रदर्शन करने वालों में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव सागर, सुंदर लाल मुयाल, श्रीकांत, राजेश भंडारी, अमन नयाल, प्रतीक बिष्ट, कमला नेगी, भरत रावत, यशोदा नेगी, तामेश्वर आर्य, अनिल कुमार, अनूप सिंह आदि शामिल रहे।

पैदल कोर्ट पहुंचे अधिकारी, कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय में न्यायिक सेवा के अफसरों ने ईंधन बचाने और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को सुरक्षित ईंधन-सुरक्षित जीवन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अधिकारियों व कर्मचारी नो व्हीकल डे मनाते हुए पैदल ही कोर्ट पहुंचे। कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और ईंधन की खपत को देखते हुए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास, कम दूरी के लिए पैदल चलना व सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना आदि पर्यावरण संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

कोटद्वार पहुंची जगदीशिला की डोली

श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार को बाबा विश्वनाथ-मां जगदीशिला डोली रथयात्रा कोटद्वार पहुंची। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ देव डोली का स्वागत किया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सोमवार को देव डोली को कुछ समय के लिए हिंदू पंचायती धर्मशाला स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में विश्राम कराया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और लोगों ने बाबा विश्वनाथ व मां जगदीशिला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। यह धार्मिक यात्रा 28 अप्रैल को टिहरी जिले के ढुंगा गांव से शुरू हुई थी। हरिद्वार, देहरादून और काशीपुर सहित कई स्थानों से गुजरते हुए यात्रा सोमवार को कोटद्वार पहुंची। यहां विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक लोगों ने डोली का स्वागत किया। बाद में यात्रा सिद्धबली मंदिर के लिए रवाना हुई। यात्रा के संयोजक मंत्री प्रसाद नैथानी ने बताया कि यह आयोजन पिछले 27 वर्षों से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन और तीर्थाटन को बढ़ावा देना है। साथ ही लोगों को प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से जोड़ना भी इसका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यात्रा आगे महाबगढ़ मंदिर, यमकेश्वर और नीलकंठ होते हुए टिहरी जिले की ओर प्रस्थान करेगी। इस दौरान कई श्रद्धालु और समिति से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोटद्वार पहुंचने पर यात्रा का स्वागत करते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल।

महंगाई के बोझ तले दब रही जनता : गोदियाल

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बोले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सरकार पर जनता के शोषण का आरोप लगाया है। कहा कि अच्छे दिन के सपने दिखाने वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल में जनता महंगाई के बोझ तले दब रही है। सरकार विकास के नाम पर केवल जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है।

हिंदू पंचायती धर्मशाला में आयोजित पत्रकार वार्ता करते हुए गणेश गोदियाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान जनता से अच्छे दिन का वादा किया था। लेकिन, आज जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान हो चुकी है। पांच राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद केंद्र सरकार ने अचानक से पेट्रोल, डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी, जिससे आम आदमी पर आर्थिक बोझ पड़ा है। कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ी है। महिलाओं की रक्षा करने का दावा करने वाली भाजपा महिला सुरक्षा को लेकर संवेदनहीन बनी हुई है। प्रदेश में रोजाना अपराध बढ़ रहे हैं। आए दिन हत्या, लूटपाट की घटनाओं से प्रदेश में भय का माहौल बना हुआ है। कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री पेट्रोलियम पदार्थों का इस्तेमाल कम करने की बात करते हैं। लेकिन, स्वयं विदेश यात्राओं पर जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताया। कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ ही शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। कहा कि उनकी बेदाग छवि को बदनाम करने का कुचक्र चलाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, जिलाध्यक्ष विकास नेगी, महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, रंजना रावत, शूरबीर खेतवाल, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल मौजूद रहे।

बदरीनाथ धाम क्षेत्र में साधना कर रहे धीरेंद्र शास्त्री

चमोली। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों बदरीनाथ धाम में भगवान विष्णु की अराधना कर रहे। बदरीनाथ स्थित एक गुफा में उनके 25 मई तक साधना करने का कार्यक्रम है। उनके सोशल मीडिया पेज पर एक फोटो अपलोड की गई जिसमें वह उच्च हिमालयी क्षेत्र देवताल के समीप हिमाच्छादित चोटियों के बीच साधना करते नजर आ रहे। धीरेंद्र शास्त्री 26 से 30 मई तक बदरीनाथ धाम में कथा भी करेंगे। उनके बदरीनाथ में नगर पंचायत की ध्यान गुफा के बाहर ठंड से बचने और खाकचौक परिसर में श्रद्धालुओं से मुलाकात के वीडियो भी खूब प्रचारित हो रहे हैं।

बंदर और लंगूर के आतंक से दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कोट ब्लॉक के सबदरखाल समेत कई गांवों में बंदरों और लंगूरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि उत्पाती बंदर अब लोगों के घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बंदर और लंगूर सिर्फ खाने का सामान ही नहीं उड़ा रहे, बल्कि खेतों में खड़ी फसलों को भी चौपट कर रहे हैं। सेब और कीवी के पौधों की कोपलों तक को तोड़कर खा जाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई मकानों की पठाल और रेलिंग भी बंदरों ने तोड़ दी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रसोई में रखा भोजन, फल और बाजार से लाया गया सामान भी सुरक्षित नहीं रह गया है। चरोली, पाबौ, कुंडी और पवनपुरी गांवों के लोगों ने बताया कि बंदर राह चलते लोगों के हाथों से थैले छीन रहे हैं और सामान फाड़कर सड़क पर बिखेर दे रहे हैं। ग्रामीणों व बच्चों में डर का माहौल बना हुआ है, क्योंकि कई बार बंदर लोगों पर झपट्टा भी मार रहे हैं। कल्पेश्वरी देवी ग्राम प्रधान चरोली का कहना है कि आए दिन घर के भीतर बंदर व लंगूर घुसकर खाने का सामान उड़ा ले जा रहे हैं। वन विभाग को कई बार सूचित करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। ग्रामीण बलवंत सिंह ने कहा कि बंदरों व लंगूरों ने मकानों की पठाल और रेलिंग तोड़ दी है। गांव में सेब और कीवी के पौधे लगाए थे बंदर और लंगूर पौधों की कोपलों तक को तोड़कर खा जा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए निर्धारित प्रोफोर्मा पर मोहरबंद खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जोकि दिनांक **09.06.2026** को खोली जायेंगी:

निविदा संख्या : 01/W/OGS/2026-2027
कार्य का नामः ओक ग्रोव स्कूल के लिए 01.07.2026 से 30.06.2027 की अवधि के दौरान मुर्गी के अन्डे एवं कटे व साफ किये हुए चिकन की आपूर्ति (एक साल)

अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
रु. 23.18 लाख	रु. 46,360.00	रु. 3,000.00 प्रति सेट

निविदा संख्या : 02/W/OGS/2026-2027
कार्य का नामः ओक ग्रोव स्कूल के लिए 01.07.2026 से 30.06.2027 की अवधि के दौरान ब्रेड एवं बन की आपूर्ति (एक साल)

अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
रु. 16.08 लाख	रु. 32,160.00	रु. 2,000.00 प्रति सेट

निविदा संख्या : 03/W/OGS/2026-2027
कार्य का नामः ओक ग्रोव स्कूल के लिए 01.07.2026 से 30.06.2027 की अवधि के दौरान फल, हरी सब्जी, आलू एवं प्याज की आपूर्ति करना (एक साल)

अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
रु. 31.89 लाख	रु. 63,780.00	रु. 3,000.00 प्रति सेट

निविदा संख्या : 04/W/OGS/2026-2027-2028
कार्य का नामः ओक ग्रोव स्कूल के लिए 01.07.2026 से 30.06.2028 की अवधि के दौरान कपड़ों की धुलाई एवं इस्तरी का कार्य करना (दो साल)

अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
रु. 33.92 लाख	रु. 67,830.00	रु. 3,000.00 प्रति सेट

कृपया ध्यान दें: 1. धरोहर राशि के बिना प्राप्त निविदा अस्वीकार कर दी जायेंगी। **2.** निविदा प्रपत्र प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी, जिला देहरादून, उत्तराखंड-248179 के कार्यालय से दिनांक **25.05.2026** से दिनांक **08.06.2026** के **17:00 बजे** तक किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (डाक से निविदा प्रपत्र मंगवाने हेतु **रु. 500.00** अतिरिक्त देय होंगे, डाक से निविदा प्रपत्र मंगवाने हेतु नियत मूल्य के बैंक ड्राफ्ट सहित प्रार्थना पत्र दिनांक **23.05.2026** तक पहुँच जाना चाहिए)। निविदा प्रपत्र के मूल्य का बैंक ड्राफ्ट वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद के पक्ष में देय होगा। निविदा प्रपत्र की राशि वापिस नहीं की जायेगी, निविदा प्रपत्र अहस्तान्तरीय है। **3.** उचित रूप में सील निविदा प्रपत्र दिनांक **09.06.2026** के **12:00 बजे** तक प्रधानाचार्य, ओक ग्रोव स्कूल, उत्तर रेलवे, झड़ीपानी, मसूरी, जिला देहरादून, उत्तराखंड-248179 के कार्यालय में रखे गए निविदा बॉक्स में जमा किये जा सकते हैं एवं तदुपरान्त निविदायें तुरन्त खोली जाएंगी। उचित रूप में सील निविदा प्रपत्रों को रजिस्ट्री डाक द्वारा भी भेजा जा सकता है जो कि उपर वर्णित निश्चित तिथि एवं समय से पूर्व पहुँच जाने चाहिये। नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त निविदा को निरस्त कर दिया जायेगा। **4. निविदा की वैधता अवधिः** निविदा खुलने की तिथि से **60 दिन**। **5.** निविदाकर्ता निविदा प्रपत्र में धरोहर राशि, निविदा फार्म की कीमत से सम्बन्धित शर्तों एवं अन्य शर्तों को ध्यान से पढ़ लें। **6.** निविदा सूचना ओक ग्रोव स्कूल की वेबसाईट **www.oakgrovejharipani.in** एवं उत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र भी इस वेबसाईट पर दिनांक **25.05.2026** से दिनांक **08.06.2026** के **17:00 बजे** तक उपलब्ध रहेगा।

सं.: 01-04/W/OGS/2026-2027 दिनांक: 14.05.2026 **1647/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पहाड़ के विकास को संघर्ष कर रहा उक्रांद

सतपुली में सदस्यता अभियान चलाते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने राष्ट्रीय पार्टियों पर पहाड़ की अनदेखी का आरोप लगाया। कहा कि आज भी पहाड़ मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। ऐसे में पहाड़ को बचाने के लिए उक्रांद को सत्ता तक पहुंचाना आवश्यक है।

सतपुली में उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से सदस्यता अभियान चलाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्र में रैली भी निकाली। कहा कि भाजपा व कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। विकास के नाम पर इन्होंने जनता को गुमराह करने का कार्य किया। राज्य गठन के बाद भी पहाड़ आज स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। रोजगार के अभाव में पलायन लगातार बढ़ रहा है। नेताओं ने कहा कि जनता का शोषण किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा और अधिक से अधिक युवाओं को दल से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से उक्रांद लगातार जमीनी स्तर पर मजबूत हो रही है। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती, केंद्रीय उपाध्यक्ष आशुतोष नेगी, शांति प्रसाद भट्ट, समीप मुंडेपी, संतोष भंडारी, दिगमोहन नेगी और बलवंत गुसाईं सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कुलसचिव से मिले छात्र नेता

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर के छात्र नेताओं ने विवि के कुलसचिव से मिलकर विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान उन्होंने विवि की सुरक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् द्वारा गाँधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाईन निविदा देय तिथि से 01 वर्ष हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :–

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि	03 जून 2026 (दोपहर 12:00 बजे तक)
कोटेशन खोलने की तिथि	04 जून 2026 (दोपहर 12:30 बजे तक)
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)	रू0 25,000/-
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)	रू0 1770/-

1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑन लाईन भरे जाएगे।
2. संम्बन्धित अन्य शर्तें कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

पंत्राक 724/पार्किंग/छा0प0
कार्यालय छावनी परिषद लैन्सडौन
दिनॉक मई 2026

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद् लैन्सडौन।

(0179/67)

जिला अस्पताल में बढ़ रहे उल्टी-दस्त के मरीज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बढ़ती गर्मी और कई क्षेत्रों में दूषित पेयजल आपूर्ति के कारण पौड़ी और आसपास के इलाकों में बीमारियां बढ़ने लगी हैं। जिला अस्पताल में सोमवार को उल्टी-दस्त, बुखार, खांसी, निमोनिया और सांस संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। चिकित्सकों के कमरों के बाहर मरीजों की लंबी लाईनें लग रही है। मरीजों को अपने नंबर के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में सोमवार को 434 मरीजों ने ओपीडी में पंजीकरण कराया। सुबह से ही विशेषज्ञ चिकित्सकों के कक्षों के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। चिकित्सकों के अनुसार इन दिनों खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में डायरिया, मौसमी बुखार और श्वास संबंधी बीमारियों के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। फिजिशियन डॉ. आनंद खंकरियाल के पास 200 से अधिक मरीज उपचार और परामर्श के लिए पहुंचे।

उन्होंने बताया कि दूषित पानी और मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव के कारण उल्टी-दस्त और निमोनिया के मामले बढ़ रहे हैं, जबकि बुजुर्गों में सांस संबंधी दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। चिकित्सकों ने लोगों से उबला या स्वच्छ पानी पीने, बाहर का खाना खाने से बचने और ताजा व संतुलित भोजन लेने की सलाह दी है। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत संदिग्ध मरीजों के एक्सरे भी किए जा रहे हैं।

गौरव चौहान की मौत के मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नौ मई को धुवपुर निवासी 17 वर्षीय गौरव चौहान की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मालूम हो कि मामले में कुछ दिन पूर्व लोगों ने पुलिस व प्रशासन के खिलाफ भी प्रदर्शन किया था।

बताते चलें कि बीती नौ मई की रात गढ़वाली टंकी निवासी गौरव चौहान (17 वर्ष) पुत्र पुष्कर सिंह को बेहोशी की हालत में राजकीय बेस चिकित्सालय में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मृतक के पिता पुष्कर सिंह की तरफ से मामले में तहरीर दी गई थी। तहरीर में कहा गया था कि बीती नौ मई को शाम करीब बजे अज्ञात व्यक्तियों ने उनके पुत्र गौरव सिंह को फोन कर घर से बुलाया। बाद में उनके पुत्र से मारपीट कर, डरा धमकाकर, ब्लैकमेल कर, जबरदस्ती दवाब बनाकर उसे जबरदस्ती जहरीला पदार्थ खिला दिया। इसके बाद शाम करीब पौने आठ बजे घर के आगे नशे की हालत में छोड़ दिया गया। नशीले पदार्थ के कारण उनके पुत्र की तबीयत अत्यधिक खराब होने लगी। स्वजन उसे बेस अस्पताल कोटद्वार ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। तहरीर में अज्ञात व्यक्तियों विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने ग्राम ग्रास्टनगंज, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार गढ़वाल के साबिक खाता संख्या 28, खेत संख्या 68 मध्ये 0.005 हे0 भूमि विक्रेता भारत सिंह नेगी पुत्र वीर सिंह नेगी से रजिस्ट्रर्ड बयनामा से दिनांक 28-05-2015 को खरीद की। जिसका रजिस्ट्रर्ड बयनामा कोटद्वार में कहीं खो गया है, जो काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला।

राजेन्द्र प्रसाद पुत्र योगेश्वर प्रसाद निवासी ग्राम ग्रास्टनगंज, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(519/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारा पुत्र दलीप सिंह उर्फ रेन्चू उम्र 28 वर्ष पुत्र किशन सिंह हमारे कहने सुनने में नहीं है। हमारे पुत्र का व्यवहार हमारे प्रति सही नहीं रहता है। जो हमारे परिवार की शान्ति भंग करके लड़ाई झगड़ा करता रहता है। हमें जान से मारने की धमकी देता है तथा हमारा पुत्र गंदी हरकतों में पड़ गया है। जो नशे का आदी हो चुका है। घर में उत्पात मचाकर तोड़फोड़ करता रहता है। उसके इस व्यवहार से हमारा पूरा परिवार अत्यधिक दुःखी रहता है। उसकी इस हरकतों से तंग, परेशान, दुःखी होकर हमने अपने पुत्र दलीप सिंह उर्फ रेन्चू को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। आज के बाद हमारे उक्त पुत्र का हमसे तथा हमारे पूरे परिवार से कोई भी सम्बन्ध नहीं रहेगा। हमारा पुत्र अपने किसी भी अपराध, तथा गलत हरकतों आदि के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होगा। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, अपराध, लेन-देन आदि के लिए हम तथा हमारा पूरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

किशन सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह एवं मंजू देवी पत्नी किशन सिंह निवासीगण ग्राम- खूनीबड, पट्टी-मोटाढांक, तहसील-कोटद्वार, जिला-पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0518/21)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड़, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी

Phone/fax no–01368–222512 Email-eepdpwdpauri@gmail.com

पत्रांक- 1233/35AC दिनांक- 16/05/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19/05/2026 से दिनांक 29/05/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 30/05/2026 पुर्वाहन 12:00 बजे तक इन्ही कार्यालयों में डाले जा सकते है।

निविदायें दिनांक 30/05/2026 को अपराहन 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी।

1. कार्यालय का नाम- अधीक्षण अभियन्ता, 12वॉ वृत्त लो0नि0वि0 पौड़ी 2. कार्यालय का नामः अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0 लो0नि0वि0 पौड़ी
3. कार्यालय का नाम– अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0 पौड़ी 4. कार्यालय का नामः अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0 लो0नि0वि0, कीर्तिनगर

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य करने हेतु समय	ठेकेदार / फर्म की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	खोलाचौरी मोटर मार्ग के कि0मी0 3 हे0मी0 0-2 में क्षतिग्रस्त दीवार का निर्माण कार्य।	51,000.00	1500+18% GST	45 दिन	1 माह	लो0नि0वि0 में मार्ग कार्य हेतु श्रेणी ''डी''
2	–तदैव– कि0मी0 3 हे0मी0 2-4 में क्षतिग्रस्त दीवार का निर्माण 83 से 88 के मध्य कि0मी0 88) क्षतिग्रस्त दीवारों का निर्माण कार्य।	26,000.00	1000+18% GST	45 दिन	1 माह	-तदैव-

अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेगी।

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0, लो0नि0वि0 पौड़ी गढ़वाल

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

क्षेत्रीय दलों की हुंकार

उत्तराखंड में अब राष्ट्रीय दलों के आगे क्षेत्रीय पार्टी अपना वजूद बनाने के लिए खुले मंच पर नजर आने लगी है। यूकेडी का उद्धव ठाकरे से मिलने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि इससे पहले भी यूकेडी के नेताओं ने भाजपा और कांग्रेस का दामन थामा है। हालांकि शिवसेना का उत्तराखंड की राजनीति में कोई प्रभाव नहीं है लेकिन राज्य में पैर जमाने के लिए एक बड़े दल का सपोर्ट होना उत्तराखंड में पैठ जमा चुके राष्ट्रीय दलों के लिए जरूर परेशानी का कारण बन सकता है। यूकेडी और उत्तराखण्ड स्वाभिमान मोर्चा को अब भावनात्मक राजनीति से आगे बढ़कर वास्तविकता का स्पष्ट आकलन करना चाहिए। यदि सचमुच राज्य में सत्ता के केंद्रीकरण, संसाधनों की लूट और राजनीतिक संरक्षणवाद के विरुद्ध संघर्ष करना है, तो उसे अन्य स्थानीय एवं क्षेत्रीय दलों के साथ एक संयुक्त विपक्ष के रूप में खड़ा होना होगा। प्राथमिक उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सबसे पहले भाजपा को सत्ता से बाहर करने की रणनीति बनाना होना चाहिए। क्योंकि उत्तराखण्ड संभवतः देश के सामने एक ऐसे नए राजनीतिक मॉडल की मिसाल बन सकता है, जहाँ संगठित राजनीतिक माफिया तंत्र, सत्ता–प्रचार गठजोड़ और संसाधन–आधारित राजनीति को लोकतांत्रिक तरीके से चुनौती दी जा सके। यदि छोटे–छोटे दल केवल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते रहे, तो सत्ता संरचना और अधिक मजबूत होगी। लेकिन यदि वे साझा न्यूनतम एजेंडे पर एकजुट होते हैं, तो उत्तराखण्ड देश को यह संदेश दे सकता है कि लोकतंत्र अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।अगर हम एक–दूसरे का साथ नहीं देंगे, तो हमारे उत्तराखंड का भविष्य कभी मज़बूत नहीं बन पाएगा।आज जरूरत लड़ने की नहीं, एकजुट होने की है।पहाड़, रोजगार, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें साथ खड़ा होना होगा। यह एक बहुत सही पहल है जिसमें आगे बढ़ कर उत्तराखंड राज्य को विकास के शिखर तक गांव से शहर की ओर विकास की नई रेखा गांव का विकास होगा तो पलायन रुकेगा। पहले गांव की तरफ देखना ही होगा। गांव शहर की तरह लगेगा लोग गांव में रहना पसंद करेंगे। उनके लिए शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार हर हाथ तक पहुंचे तभी हम अपने बुजुर्गों की संपत्ति को बचा पाएंगे और उससे जुड़े रहेंगे

यूकेडी और स्वाभिमान मोर्चा यदि कांग्रेस के साथ गठबन्धन एवं सूझबूझ से जीताऊप्रत्याशियों को मैदान में नहीं उतारते तो यूकेडी और स्वाभिमान मोर्चा को एक भी सीट नहीं मिलेगी और कांग्रेस विपक्ष में बैठेगी, सरकार बीजेपी बनायेगी समय रहते सही निर्णय नहीं लिया तो पछताने के सिवाय कुछ नहीं मिलेगा। बाकी यूकेडी के लिए सरकार बनाने की नौबत आई भी तो कुछ विधायकों का आती तो ऐसा है कि वह सत्ता की मलाई चाटने के लिए यूकेडी में शामिल होने से भी पीछे नहीं हटेंगे। सच्चाई तो यह है कि उत्तराखंड तभी बचेगा, जब उत्तराखंडी एक–दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। सिर्फ खुद को पहाड़ी पहाड़ी बोलने से कुछ हासिल नहीं होने वाला क्योंकि वर्तमान सबके सामने है कि आज उत्तराखंड में पहाड़ी कितना मजबूत है और गैर पहाड़ी लोग किस स्तर पर हैं?

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत

कांतिलाल मांडोत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है।

राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।

लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए बार बार पानी पीना जरूरी है। छाछ लस्सी नींबू पानी नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थ शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि शरीर को कम गर्मी लगे। खाली पेट बाहर नहीं निकलना चाहिए और अधिक तला भुना भोजन खाने से बचना चाहिए।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि उन पर लू का असर जल्दी होता है। घरों में खिड़कियों और दरवाजों को पर्दों से ढंककर रखना चाहिए ताकि गर्म हवा अंदर न आए। पशुओं और

पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना तेज बुखार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि यह हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं।

देश के सामने यह गर्मी केवल मौसमी संकट नहीं बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी भी है। तेजी से बदलता मौसम यह संकेत दे रहा है कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे खिलवाड़ का असर अब सीधे लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकारों को जल संरक्षण हरित क्षेत्र बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। साथ ही लोगों को भी पेड़ लगाने पानी बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में गर्मी का यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

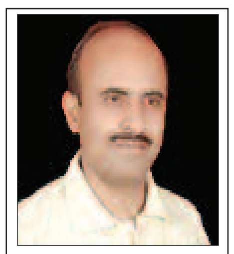

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग

को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी 'विश्व नेतृत्व' छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी। साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक

प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

विनोद कुमार सिंह '

ेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति, उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर...

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीजल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर

दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।किन्द्र सरकार ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि भारत स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो भारत की चुनौतियाँ और बढ़ सकती हैं।अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर स्थिर रहती है तो महंगाई, आयात बिल और वित्तीय घाटे पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।हालॉकि भारत की स्थिति कई देशों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार,तेजी से बढ़ती रिफाइनिंग क्षमता,विविध आयात स्रोत और रणनीतिक भंडारण ने भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में रखा है। लेकिन आने वाला समय भारत की ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता की परीक्षा भी होगा।आज जब समुद्रों में तनाव है,तब भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तेल खरीदने का नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।यह समय केवल संकट प्रबंधन का नहीं, बल्कि दूरदर्शी ऊर्जा नीति बनाने का भी है।पश्चिम एशिया का यह संकट भारत को एक बड़ा संदेश दे रहा है - ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।आने वाले वर्षों में भारत जितनी तेजी से वैकल्पिक ऊर्जा, घरेलू उत्पादन और रणनीतिक भंडारण की दिशा में आगे बढ़ेगा,उतना ही वह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के झटकों से स्वयं को सुरक्षित रख पाएगा।आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्त्ता में यह तो स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दे दी कि दुनिया की बदलती ऊर्जा राजनीति आने वाले समय में हर देश की आर्थिक और रणनीतिक दिशा तय करने वाली है।भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाता है या नहीं,यह तो अभी अतीत के गर्भ में है,जो आने वाले समय बताएगा।

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली आव्रजन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालयों में छात्र संघों पर प्रतिबंध के खिलाफ राजधानी में व्यापक प्रदर्शन

काठमांडो, एजेंसी। विश्वविद्यालयों में छात्र संघ पर प्रतिबंध के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने नेपाल की राजधानी काठामांडो में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में 100 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के कामकाज पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दलों के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने छात्र संघों पर प्रतिबंध का विरोध करें जैसे नारे लगाते हुए सरकार के इस कदम की आलोचना की। नेपाली छात्रों के 62वें छात्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन त्रिचंद्र कैंपस से शुरू होकर काठमांडो के आरआर कैंपस में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा, छात्रों के अधिकारों की गारंटी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के संरक्षण की मांग करते हुए नारे भी लगाए। नेपाल छात्र संघ, अखिल नेपाल स्वतंत्र छात्र संघ और अन्य समूहों ने इसमें हिस्सा लिया।

रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की हिरासत में मौत

हेग, एजेंसी। रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की 91 साल की आयु में मौत हो गई। काबुगा की मृत्यु नीदरलैंड के हेग में अस्पताल में हिरासत के दौरान हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक अदालत ने शनिवार को बताया कि 91 वर्षीय काबुगा पर 1994 के नरसंहार में तुत्सी अल्पसंख्यक के सामूहिक नरसंहार को बढ़ावा देने और आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप था। एक अनुमान के मुताबिक इस नरसंहार में आठ लाख लोग मारे गए थे। काबुगा पर मुकदमा 2022 में शुरू हुआ था। 2023 में, न्यायाधीशों ने उसे डिमेंशिया के कारण मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। दोषी पाए जाने पर काबुगा को आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। कोर्ट ने अस्पताल में हुई मौत के बाद परिस्थितियों की जांच का आदेश दिया है।

इतालवी शहर में चालक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, आठ घायल, चार गंभीर

मोडेना, एजेंसी। उत्तरी इतालवी शहर मोडेना में शनिवार को एक चालक ने पैदल यात्रियों को रौंद दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई मौत नहीं हुई। महापौर मास्सिमो मेज़ेटी के अनुसार, एक महिला दुकान की खिड़की से दब गई, जिसके दोनों पैर काटने पड़े। 31 वर्षीय चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि उसने नशे में या जानबूझकर यह कृत्य किया। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन नागरिकों और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसके पास चाकू था, पर उसने किसी को नहीं मारा। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया।

मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब वेनेजुएला से अमेरिका निर्वासित

वेनेजुएला, एजेंसी। वेनेजुएला सरकार ने निकोलस मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब को अमेरिका निर्वासित किया है, जहां उसे न्यायिक कार्रवाई का सामना करना होगा। यह कैदी अदला-बदली में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा माफी दिए जाने के तीन साल बाद हुआ। सरकार ने निर्वासन का स्थान नहीं बताया, पर यह अमेरिकी आपराधिक जांचों पर आधारित है। एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में बताया कि अभियोजक साब की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यह जांच वेनेजुएला के खाद्य आयात ठेकों से जुड़ी रिश्वतखोरी की साजिश से संबंधित है। साब ने सरकारी ठेकों से संपत्ति अर्जित की थी, जिसे अमेरिकी अधिकारी मादुरो का 'बैग मैन' बताते थे। नए वेनेजुएला नेतृत्व के सत्ता में आने के बाद साब का प्रभाव कम हो गया। उससे अपने पूर्व संरक्षक के खिलाफ गवाही देने के लिए कहा जा सकता है।

बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

काठमांडु, एजेंसी। झनेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को

स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

अदालत में यह मामला किसने और क्यों उठाया : सरकार के इस फैसले के खिलाफ कुछ जागरूक वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता अमितेश पंडित, आकाश महतो, सुयोगी सिंह और प्रशांत बिक्रम शाह ने वित्त मंत्रालय के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया कि 100 नेपाली रुपये से ज्यादा के सामान पर टैक्स लगाने की नीति नेपाल के सीमा शुल्क अधिनियम-2081 के सख्त खिलाफ है। वकीलों ने बताया कि यह फैसला अधिनियम में दी गई छूट के प्रावधानों का सीधा-सीधा उल्लंघन करता है।

तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था : इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी। लेकिन छूट खत्म होने से लोगों में भारी आक्रोश फैलने लगा था।

सरकार ने यह कदम सीमा शुल्क की चोरी को रोकने के नाम पर उठाया था। लेकिन इसके आड़ में चौकियों पर बड़े पैमाने पर आम लोगों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई की जाने लगी थी। इस एकतरफा और कठोर नीति ने मधेस के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल कर दिया था। आम आदमी छोटी-सी खरीदारी के लिए भी परेशान हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश अब तराई-मधेस और सीमावर्ती इलाकों की आम जनता के लिए एक बहुत बड़ी राहत बनकर आया है। लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। फिलहाल, अदालत के इस कड़े रुख के बाद बालेंद्र शाह सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं और सीमा पर एपीएफ की अनावश्यक सख्ती पर भी लगाम लग गई है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी: बांग्लादेशी अफसर अब लाहौर में प्रशिक्षण लेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की जगह अब पाकिस्तान के लाहौर को चुना है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दूरी और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस तरह का पहला मामला बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में चार से 21 मई तक प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच इस तरह का यह पहला व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है बताया गया है कि प्रशिक्षण लेने वालों में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है और इसमें बांग्लादेश सरकार की कोई आर्थिक भागीदारी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं व कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

ईरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है, डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता जल्द नहीं हुआ तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है। फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर को दिए गए टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान को समझौते में दिलचस्पी रखनी चाहिए। उनका बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत चल रही है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने नई दिल्ली में कहा कि ट्रंप प्रशासन से संदेश आए हैं जिसमें बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई गई है, लेकिन अमेरिका पर गहरे अविश्वास की वजह से प्रक्रिया धीमी हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बावजूद ईरान ने अमेरिका पर दो बार हमला करने का आरोप लगाया है, खासकर परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी वार्ताओं के दौरान। अराघची ने वाशिंगटन के विरोधाभासी संकेतों को बातचीत में बाधा बताया। उन्होंने चीन जैसे देशों के कूटनीतिक समर्थन का स्वागत किया और क्षेत्रीय शांति के लिए भारत की बड़ी भूमिका की मांग की। वहीं, ईरान के संसद स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर घालिबाफ ने कहा कि अमेरिका को ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए, नहीं तो उसे असफलता का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ईरानी प्रस्ताव को खारिज करते हुए युद्धविराम को जीवन रक्ष' पर

बताया था। इस बीच, मध्य पूर्व में तनाव जारी है। इजरायल ने हाल ही में विस्तारित युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। लेबनानी मीडिया के अनुसार, 50 किलोमीटर से ज्यादा दूर के दो दर्जन से अधिक गांवों पर हमले हुए। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बताया और कई गांवों के लिए निकासी चेतावनी जारी की। इन हमलों से सैकड़ों नागरिक बेघर हो गए और सिदोन व बेरूत की ओर पलायन शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने युद्धविराम के विस्तार का स्वागत किया और सभी पक्षों से इसे पूरी तरह मानने की अपील की। युद्धविराम 17 अप्रैल को शुरू हुआ था और शुक्रवार को 45 दिनों के लिए बढ़ाया गया, लेकिन इसका उल्लंघन बार-बार हो रहा है। लेबनान के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 2900 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें युद्धविराम के बाद 400 से अधिक शामिल हैं। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले जारी रखे हैं। ईरान-अमेरिका वार्ता की सफलता न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की।

यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है।

आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा।

कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। मंत्री ने यह भी बताया कि पुलिस ने हाल ही में इसी शहर में एक अन्य राष्ट्रपति उम्मीदवार पालोमा वालेंसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एपस्टीन फाइल्स की वजह से ब्रिटेन में उथल-पुथल, जल्द इस्तीफा पदे सकते हैं पीएम कीर स्टारमर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से प्रधानंत्री कीर स्टारमर अपना पद छोड़ने को तैयार हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने करीबियों से कहा है कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। डेली मेलकी रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने हिसाब से आगे का कदम उठाएंगे। उन्हें इस्तीफा कब देना है, इसका विचार भी वह खुद ही करेंगे।

क्यों खतरे में है कीर स्टारमर की सरकार : जानकारी के मुताबिक यूके की लेबर सरकार संकटों से जूझ रही है। लोगों की इस सरकार में विश्वास कम हो गया है। लेबर पार्टी के पीटर मैंडलसन का नाम एपस्टीन फाइल्स में आने केबाद लोगों ने लेबर पार्टी पर अविश्वास जताया और स्थानीय चुनावों में इसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी वजह से कीर

स्टारमर पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है।

गुरुवार को ब्रिटेन में क्षेत्रीय चुनाव हुए। यह चुनाव 136 क्षेत्रों में आयोजित किए गए। अंतिम नतीजों के अनुसार लेबर पार्टी ने परिषद की उन 2,200 से ज़्यादा सीटों में से लगभग 1,200 सीटें गंवा दीं, जिन पर पहले उसका कब्ज़ा था। दक्षिणपंथी 'रिफॉर्म यूके ' पार्टी स्पष्ट विजेता के तौर पर उभरी और उसने लगभग 1,400 सीटें जीतीं।

बता दें कि लेबर पार्टी के ही 80 से ज्यादा सांसदों ने उनसे पद छोड़ने की अपील की है। बीते दिनों सरकार के तीन सदस्यों के इस्तीफा देने की बात भी सामने आई थी।

निगेल फराज के नेतृत्व वाली रिफॉर्म यूके को चुनावों का सबसे बड़ा विजेता माना जा रहा है। स्काई न्यूज के अनुसार, इसने अब तक 1,422 सीटें जीती हैं। लेबर पार्टी 980 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि लिबरल डेमोक्रेट्स और कंजरवेटिव पार्टी क्रमशः 834 और 754 सीटों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। प्लाइड सिमरु, जो वेल्स की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध एक मध्य-वामपंथी पार्टी है, 43 सीटों के साथ वेल्स सेनेड में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। रिफॉर्म यूके 34 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि लेबर पार्टी नौ सीटों के साथ बहुत पीछे तीसरे स्थान पर है। वेल्स में 27 साल सत्ता में रहने के बाद लेबर पार्टी ने पहले ही हार स्वीकार कर ली थी।

स्टारमर ने इस्तीफा देने से कर दिया था इनकार : वहीं स्कॉटलैंड में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने सबसे अधिक 58 सीटें जीतीं लेकिन बहुमत के लिए आवश्यक 65 सीटों से पीछे रह गई। लेबर और रिफॉर्म यूके 17-17 सीटों पर बराबरी पर हैं जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें घटकर 12 रह गईं। अपनी पार्टी के लिए निराशाजनक नतीजों के बावजूद, स्टारमर ने इस्तीफा देने से मना करते हुए कहा था कि वह पीछे नहीं हटेंगे और देश को अराजकता में नहीं धकेलेंगे।

चीन की नई चाल, एशियाई समुद्र में बढ़ा रहा अपना दबदबा: बड़े बेड़ों की तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। नई चाल के तह चीन एशिया के विवादित समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए वह मछली पकड़ने वाली नावों, कोस्ट गार्ड जहाजों और समुद्री मिलिशिया यूनिट्स के बड़े बेड़े तैनात कर रहा है। यह एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद बिना किसी सीधी सैन्य टकराव के अपना नियंत्रण मजबूत करना है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट और ताइवान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी गई है। हाल ही में चीन की लगभग 200 मछली पकड़ने वाली नावें येलो सी में और अंदर तक चली गईं। ये नावें उन समुद्री इलाकों के और करीब पहुंच गईं, जिन पर चीन और दक्षिण कोरिया दोनों अपना दावा करते हैं। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी Ingenispace द्वारा जुटाए गए डेटा से पता चला है कि अहम शिपिंग मार्गों और विवादित समुद्री क्षेत्रों में जहाजों की आवाजाही असामान्य रूप से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीजिंग अपनी 'ग्रे-जोन' रणनीति के तहत अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक मछली पकड़ने वाले बेड़ों पर निर्भर हो रहा है। ये बेड़े दोहरे इस्तेमाल वाले ऑपरेशन्स के लिए तैयार किए गए हैं। इस रणनीति का मकसद धीरे-धीरे अपना प्रभाव बढ़ाना है, लेकिन साथ ही खुले युद्ध की स्थिति से भी बचना है।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेसन वांग ने कहा कि इन जहाजों की तैनाती से यह जाहिर होता है कि चीन अनियमित समुद्री ऑपरेशन्स के जरिए क्षेत्रीय समुद्री इलाकों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाजों की यह बढ़ती संख्या चीन की उस संभावित क्षमता को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह तनाव बढ़ने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक शिपिंग मार्गों को बाधित कर सकता है। पूर्वी चीन सागर में भी चीन की समुद्री गतिविधियां तेज हो गई हैं। 3 अप्रैल को 600 से ज्यादा चीनी मछली पकड़ने वाली नावें लगभग 18 घंटों तक एक लंबी कतार बनाकर खड़ी देखी गईं।

कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ी : इसके साथ ही, बीजिंग ने विवादित डियाओयुताई द्वीपों के आसपास कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ा दी। साउथ चाइना सी में, चीन ने पिछले एक साल में स्कारबोरो शोल के पास अपने कोस्ट गार्ड ऑपरेशन्स को कथित तौर पर दोगुना कर दिया है और इस इलाके को 'नेशनल नेचर रिजर्व' घोषित करने के बाद ज्यादा सख्त प्रशासनिक उपाय लागू किए हैं। वियतनाम के पास पैरासेल आइलैंड्स में नई कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी देखी गई है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'सीलाइट प्रोजेक्ट' के रिसर्चर्स ने बताया कि चीन ने पिछले साल समुद्री मिलिशिया और कोस्ट गार्ड जहाजों की सुरक्षा में 'एंटेलोप रीफ' का विस्तार करना शुरू कर दिया था। एक्सपर्ट्स ने कहा कि चीन का लंबे समय का मकसद विवादित पानी में अपने दबदबे को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है, और साथ ही सीधे टकराव से बचना है। सीएसआईएस में जियोपॉलिटिक्स और विदेश नीति विभाग के प्रेसिडेंट विक्टर चा ने कहा कि चीन की कार्रवाइयां बहुत सोच-समझकर की गई हैं, ताकि बिना युद्ध छेड़े क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

इराक के नए प्रधानमंत्री बने अली फलिह काजिम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

बगदाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा संदेश : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अली फालिह काजिम अल-जैदी को इराक का प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा।

अमेरिकी राजदूत ने भी दी अल-जैदी को बधाई : वहीं, तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और

अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे।

इराक की नई सरकार को यूएन ने भी दी बधाई : संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा। यूरोपीय संघ ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए देश की एकता, संप्रभुता और स्थिरता के समर्थन की बात दोहराई। वहीं जापान ने इराक में सुरक्षा स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और कहा कि वह इराक में निवेश तथा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान रक्षा बजट में करने जा रहा 100 अरब की बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मालूम हो कि पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के खिलाफ बड़ा युद्ध हारा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से पराजित करते हुए कई ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए थे। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से 'पिटा' था। ऐसे में अब अगले साल से रक्षा बजट के इतना बढ़ाए जाने से आशंका जताई जा रही है कि क्या पाकिस्तानी सेना कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रही है और भारत के लिए बड़ा खतरा तो नहीं पैदा होने जा रहा? माना जा रहा है कि इसके जरिए वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएगा और हथियारों की खरीद भी बढ़ा सकता है, जिससे मुनीर की सेना की ताकत में इजाफा होगा। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपये करने का वादा किया है। साथ ही जून 2027 तक केंद्र और प्रांतीय सरकारों के सभी भुगतानों को डिजिटल माध्यम से करने

की योजना है। आईएमएफ कार्यक्रम से जुड़े व्यापक सुधारों के तहत सरकार इस वर्ष के अंत तक सबसे अधिक भ्रष्टाचार प्रभावित 10 संस्थानों की पहचान कर उनका विस्तृत अध्ययन और लेखा जांच करेगी। प्रांतीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों को भी मजबूत किया जाएगा।

40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर : रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं और जिन्हें सामाजिक सहायता मिल रही है, उनके अलावा भी लगभग 40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर बनी हुई है। आईएमएफ का एक मिशन इस समय पाकिस्तान में है, जो 2026-27 के बजट से पहले बजट पर होने वाली चर्चाओं को अंतिम रूप देने के लिए आया है। उम्मीद है कि यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किया जाएगा।

कांगो के इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय : ब्राज़ाविल, एजेंसी। कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला बीमारी के नए प्रकोप से कम से कम 80 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी बीमारी को रोकने के लिए स्क्रीनिंग और संपर्क ट्रेसिंग तेज कर रहे हैं। शुक्रवार को इस प्रकोप की घोषणा की गई थी, तब 65 मौतें और 246 संदिग्ध मामले थे। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने आठ प्रयोगशाला-पुष्टि मामलों की जानकारी दी, जिनमें चार मौतें शामिल हैं। परीक्षणों में बंडिबुग्यो वायरस की पुष्टि हुई है। यह कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप है। इबोला अत्यधिक संक्रामक और अक्सर घातक होता है।

गोंद कतीरा से बनाएं 3 डिफरेंट और टेस्टी ड्रिंक्स, गर्मियों में भी रहेंगे कूल-कूल

समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिलचिलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है।

ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।

फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।

एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।

इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।

बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब तरबूज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।

अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।

इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ डालकर मिलाएं और फिर सर्व करें।

गोंद कतीरा मैंगो शेक रेसिपी

सबसे पहले गोंद कतीरा को कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें।

फिर आम का छिलका हटाकर उसको टुकड़ों में काट लें।

अब एक जार में आम के टुकड़े, दूध और चीनी डालकर शेक बना लें।

इस शेक को एक बर्तन में निकाल लें और इसमें गोंद कतीरा मिलाएं।

इसमे कुछ आम के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर गिलास में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से मैंगों शेक डालें।

इस आसान तरीके से गोंद कतीरा मैंगो शेक बनकर तैयार हो जाएगा।

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर? फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स!

अदरक को आप अपने घर पर ही आसानी से लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ घरेलू उपाय को अपना सकते हैं।

भारतीय रसोई में अदरक का उपयोग काफी लंबे समय से होता रहा है। चाय हो या फिर कोई अन्य तरह की सब्जियां, इसके बिना स्वाद फीका पड़ जाता है। कई बार अदरक को लोग काफी मात्रा में खरीद लेते हैं, जो समय के साथ खराब होने लगता है। आप अदरक को घर पर आसानी से लंबे समय के लिए भी स्टोर कर सकते हैं, जिससे यह अधिक समय तक ताजा बना रहेगा। इस लेख में हम आपके लिए अदरक को स्टोर करने के लिए एकदम सस्ता उपाय बताने वाले हैं, जिससे आप न सिर्फ अदरक को फ्रेश रख सकते हैं, बल्कि आपको बार-बार इसको मार्केट से खरीदने की भी जरूरत नहीं होगी।

अदरक का पाउडर बनाएं

आप अदरक को सुखाकर पाउडर भी बना सकते हैं। अगर आपके पास अधिक मात्रा में अदरक है, तो उसे सबसे पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस तरह आप ड्राई जिंजर पाउडर को आप कई महीनों तक उपयोग कर सकते हैं।

पेपर में लपेटकर फ्रिज में करें स्टोर

अदरक को स्टोर करने के लिए आप पेपर का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक को सही से धोकर सुखा लें। सूखने के बाद इसे पेपर में लपेटें। अब इसको एक एयरटाइट प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख दें। इस तरह अदरक करीब एक माह तक फ्रेश बनी रहेगी।

छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर करें स्टोर

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बॉक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर

अदरक को पुराने समय में मिट्टी के बर्तन में स्टोर किया जाता था, जिससे यह लंबे समय तक खराब नहीं होता था। आप भी इस तरह से अदरक को स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप मार्केट से मिट्टी के बर्तन को खरीद लें। आप मटकी का उपयोग कर सकते हैं। इसमें अदरक को सुखाकर रखें। इस तरीके से आप बिना फ्रिज के भी अदरक को कई महीनों तक स्टोर कर सकते हैं।

इस तरह बनाएंगे भरवां करेले तो हफ्तों तक नहीं होंगे खराब

करेले को अगर सही तरीके से न बनाया जाए तो इसका स्वाद बेस्वाद हो सकता है। यहां हम आपके लिए पंजाबी स्टाइल में करेला बनाने की रेसिपी लेकर आए हैं। इसे बनाकर आप करीब 10 दिन तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

स्वाद में कड़वा करेला सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। कोई सेहतमंद होने के लिए इसका जूस पीता है तो किसी को करेले की सब्जी बहुत अच्छी लगती है। विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से भरपूर ये सब्जी यूं तो अमूमन हर घर में बनती है। लेकिन क्या कभी आपने पंजाबी स्टाइल में भरवां करेले बनाए हैं। ये न केवल स्वाद में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि इन्हें लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

भरवां करेला रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

5-6 करेला
1 बड़ा प्याज बारीक कटा
1 स्पून अमचूर पाउडर
1 स्पून भुना जीरा पाउडर
1 स्पून सौंफ पाउडर
आधा स्पून लाल मिर्च पाउडर
आधा स्पून हल्दी पाउडर
1 स्पून धनिया पाउडर
एक पिंच हींग
नमक स्वादानुसार
तलने के लिए तेल

भरवां करेला बनाने की रेसिपी

पंजाबी स्टाइल में भरवां करेला बनाने के लिए सबसे पहले करेला को हल्का चाकू से छील लें। इसके बाद करेले को धोकर बीच में कट लगा दें। अगर बीज पसंद हैं तो रहने दें। वहीं अगर बीज पके हुए हैं तो इन्हें निकाल दें। इससे करेले में भरावन के लिए जगह बन जाएगी। करेले का कड़वापन दूर करने के लिए नमक लगाकर करीब 2 घंटे के लिए छोड़ दें। करेले के मसाले की तैयारी शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही में तेल गर्म करें। फिर इसमें प्याज डालकर भूनें। प्याज के गोल्डन ब्राउन होने तक उसमें हल्दी पाउडर डालें।

फिर धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर मिलाएं। इसके बाद सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। खट्टेपन के लिए अमचूर पाउडर डालें। गैस बंद कर दें। अब नमक लगे करेला को दबाकर सारा पानी निकाल दें। करेले में जहां कट लगाया था वहां भरावन भरते जाएं। करेला को अच्छी तरह से दबा दें। ताकि मसाला बाहर न निकले।

जब सारे करेले भर जाएं तब कड़ाही में ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्लो करके कम कर दें और ढ़क दें। बीच-बीच में करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने तक पकाएं। दवा कर चेक करें कि ये पका है या नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर सकती हैं।

तेज धूप से हाथों का रंग हो गया है काला तो ट्राई करें ये नुस्खा, तुरंत साफ होगी स्किन

गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है।

बढ़ती धूप की वजह से हमारी त्वचा पर पसीना निकलता है, जिससे हमारी स्किन पर टैनिंग की समस्या सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का इस्तेमाल

चेहरे की चमक के लिए हम अक्सर चावल के आटे का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो हाथों की टैनिंग के लिए भी चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसका स्क्रब बनाकर अप्लाई करें। जिससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का स्क्रब

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा ले लें।

फिर इसमें थोड़ा सा दही और थोड़ा सा गुलाबजल मिलाएं।

अब इसका पेस्ट बनाकर अपने हाथों पर अप्लाई करें।

इसके बाद 10 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर किसी गीले कपड़े से हाथों को साफ कर लें।

इससे आपके हाथों की टैनिंग कम होगी।

आप कम से कम 10-15 दिन तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का इस्तेमाल

टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन आसानी से साफ होती है और आप हाथों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे लगाएं टमाटर

एक टमाटर लेकर इसको काट लें।

अब इसमें थोड़ी सी चीनी लगाएं।

वहीं अब अपने हाथों को रब करना है।

इससे आपकी स्किन इवन नजर आने लगेगी।

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

एक नजर

रजिस्ट्री करने के दो साल बाद भी बांध प्रभावितों को नहीं मिला भुगतान

नई टिहरी। साप्ताहिक जनता दरबार में दूर–दराज क्षेत्र से आए फरियादियों ने डीएम नितिका खंडेलवाल को समस्याएं बताकर शीघ्र समाधान की मांग की। दरबार में अधिकतर जल संस्थान, समाज कल्याण, पुनर्वास, लोनिवि और शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई गई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में बागी–खेमड़ा की क्षेत्र पंचायत सदस्य गीता नेगी ने शिकायत दर्ज कराई कि खेमड़ा–कुंडाली मोटर मार्ग के किमी तीन पर भगवानी देवी के मकान के समीप और एक अन्य जगह पर सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की है। जनता दरबार में पहुंचे ऋषिकेश के दिनेश चंद्र (मास्टर जी) ने देवप्रयाग क्षेत्र के भरपूर, मुन्ना खाल, चमराड़ा देवी और गोर्ति कांडा इंटर कॉलेजों में कॉमर्स फैकल्टी खोलने और गोर्ति कांडा में जलापूर्ति कराने की मांग की है। ग्राम भटकंडा लुणेटा के बांध विस्थापितों ने बताया कि वर्ष 2024 में भूमि की रजिस्ट्री कर दी गयी थी, लेकिन भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है। नरेंद्रनगर के ग्राम ताछिला की बेमर तोक निवासी रीता देवी ने पेयजल व्यवस्था करने और क्षतिग्रस्त रास्ते की मरम्मत करने की मांग की है। समाज कल्याण से पेंशन भुगतान कराने, नहर मरम्मत करने, विद्युत पोल हटाने सहित विभिन्न से संबंधित 50 शिकायतें दर्ज कराई गई।

डडुर गांव भी शराबबंदी मुहिम में हुआ शामिल

नई टिहरी। डडुर ग्राम पंचायत ने सामाजिक सुधार की दिशा में कदम उठाते हुए गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया है। पंचायत भवन में प्रधान सुधा उनियाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि गांव में होने वाले शादी समारोह, जन्मदिन और अन्य किसी भी सामूहिक कार्यक्रमों में शराब प्रतिबंधित रहेगी। डीजे का समय भी निर्धारित किया गया है। कोई व्यक्ति शराब पीकर गांव में हुड़दंग करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर 11 हजार रुपये का अर्थदंड लिया जाएगा। बैठक में ग्राम समाज सुधार समिति का भी गठन किया गया है। प्रधान सुधा उनियाल को समिति का संरक्षक बनाया गया है जबकि रेखा नेगी को अध्यक्ष, मंजू रावत उपाध्यक्ष, सुशांत उनियाल सचिव, एकता रावत सहसचिव और प्रदीप उनियाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वार्ड सदस्य प्रदीप साधना, सुनीता रावत, ममता रावत, आरती डोटियाल, बलवंत डोटियाल, बीना रावत, सत्य सिंह डोटियाल को सदस्य बनाया गया है। राड्स संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने बताया कि टिहरी क्षेत्र में 50 से अधिक गांव नशामुक्त गांव बनाने का संकल्प ले चुके हैं।

उधम सिंह और रणवीर सिंह बने अध्यक्ष

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज सड़ब में शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उसके बाद कॉलेज के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। सड़ब इंटर कॉलेज में पीटीए अध्यक्ष उधम सिंह रावत और प्रधानाचार्य डॉ. नेत्रमणि बडोनी की अध्यक्षता में पीटीए और एसएमसी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें बैल गांव के रणवीर सिंह सजवाण को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष चुने गए जबकि निवर्तमान पीटीए अध्यक्ष उधम सिंह रावत को फिर से शिक्षक अभिभावक संघ का अध्यक्ष बनाया गया है। इस दौरान कॉलेज के मेधावी छात्र–छात्रओं को सम्मानित किया गया। बैठक में प्रधानाचार्य डॉ. नेत्रमणि बडोनी, नागेंद्र सिंह राणा, पूर्व प्रधान जयपाल सिंह राणा, जयपाल सिंह राणा, सुनील राणा, मुकेश राणा, दिनेश सजवाण, रणवीर सिंह सजवाण, महावीर लाल, शांतिराम, गुड्डी देवी, बबीता देवी और चंदा देवी आदि मौजूद थे।

लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में निकाला मशाल जुलूस

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र की लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में स्थानीय लोगों ने घनसाली बाजार में मशाल जुलूस निकालकर प्रदेश सरकार और स्थानीय विधायक का पुतला फूंका। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर और पिलखी में डॉक्टरों और कर्मियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति न होने पर कड़ा आक्रोश जताया। सरकार पर घनसाली क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। घनसाली जनसंघर्ष मोर्चा के बैनरतले स्थानीय लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर और पिलखी में डॉक्टरों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर बाजार में मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बाद में विरोध स्वरूप सरकार और विधायक का पुतला फूंका। कहा कि लचर स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में पिछले आठ माह के अंतर्गत क्षेत्र की पांच गर्भवती महिलाओं की मौत हो चुकी। बीते 16 मई को होल्टा गांव निवासी बबीता देवी की पहाड़ी से गिरने से घायल हो गई थी। अस्पताल में उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर करने के दौरान महिला की मौत हो गई। चेतावनी दी यदि जल्द क्षेत्र के अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों और कर्मियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं की गई उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस मौके पर घनसाली जनसंघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अनुज शाह, जिला पंचायत सदस्य विक्रम घणाता, व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश बडोनी, संदीप आर्य, अरविंद राणा, सुनीता रावत, रघुवीर रावत आदि मौजूद रहे।

28 लोग मोतियाबिंद के लिए चिह्नित किए

चमोली। हंस फाउंडेशन जनरल हॉस्पिटल सतपुली और जन कल्याण लोक सेवा समिति की ओर से सोमवार को आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 208 मरीजों का परीक्षण किया गया। शिविर में 28 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिह्नित किया गया। मरीजों को निशुल्क दवा और चश्मे भी वितरित किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों सहित अन्य मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। इसमें बीपी, शुगर, पाइल्स, पित्त की थैली की पथरी, हर्निया, आंखों और नाक कान गला संबंधी समस्याओं का परीक्षण किया गया। शिविर का संचालन फिजीशियन सुमित, नेत्र चिकित्सक राजदीप नेगी, सुनील पंवार, दीपक गुसाईं, भगवती प्रसाद खंडूरी, विजय चौहान और सुरेंद्र पुजारी ने किया।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने निकाली रैली

चमोली। प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में और 13 सूत्री मांगों के लिए जिला मुख्यालय तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया। शिक्षक रैली निकालते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन कर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संघ के जिलाध्यक्ष लखपत सिंह लिंगवाल ने कहा कि कई शिक्षक वर्षो से सेवाएं दे रहे हैं और ऐसे में टीईटी को अनिवार्य बनाने से हजारों शिक्षकों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है।

सांसद ने सेंट्रल एम्पावर्ट कमेटी के अध्यक्ष से की मुलाकात

सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश गोयल से मुलाकात करते सांसद अनिल बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग पर व्यावसायिक वाहनों के संचालन को लेकर सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश गोयल से मुलाकात की। इस दौरान मार्ग को आम जनता के हित में सुचारु रूप से खोलने पर चर्चा हुई।

सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग उत्तराखंड को राजधानी क्षेत्र से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इसके संचालन से न केवल लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

उन्होंने बताया कि मार्ग पर सार्वजनिक और व्यावसायिक वाहनों के संचालन को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। स्पष्ट किया कि इस संबंध में उन्होंने न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिस पर फरवरी में सुनवाई हुई थी। वर्तमान में इस सड़क पर मिनी बस, टैक्सी और मैक्स जैसे सार्वजनिक वाहन संचालित हो रहे हैं। बलूनी ने कहा कि लोगों की दैनिक जरूरतों और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के वाहनों को इस मार्ग पर चलने की अनुमति मिलनी चाहिए। मुलाकात के दौरान चंद्र प्रकाश गोयल ने मामले के सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने और जनहित में आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

कौड़िया में पनियाली गदेरे पर बनेगा स्टील गार्डर पुल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कौड़िया स्थित गबर सिंह कैंप के समीप पनियाली गदेरे पर जल्द ही स्टील गार्डर पुल बनेगा। लोनिवि दुगड्डा ने 36 मीटर स्टील गार्डर पुल निर्माण के लिए 3.21 करोड़ की डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजी है। पुल मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल है। वर्ष 2023 में आई आपदा के दौरान पनियाली गदेरे में आई बाढ़ से कौड़िया स्थित गबर सिंह कैंप के समीप पनियाली गदेरे में बनी डाट पुलिया बह गई थी। इससे काशीरामपुर तल्ला के अनूप विहार कॉलोनी के लोगों के साथ ही सेना को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उस समय लोनिवि दुगड्डा ने यहां पांच लाख रुपये की लागत से ह्यूम पाइप डालकर वैकल्पिक मार्ग तैयार किया था। बीते वर्षाकाल में वैकल्पिक मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया था। बरसात के दिनों में लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं, मार्ग अवरुद्ध होने पर सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों को होती है। स्कूल बस व घरेलू गैस सिलिंडर की गाड़ी कॉलोनी में नहीं पहुंच पाती है। लोगों को रेल लाइन पार कर पैदल आवाजाही करनी पड़ती है। 20 मार्च, 2024 को कोटद्वार आगमन के दौरान मुख्यमंत्री ने पुल के निर्माण की घोषणा भी की थी। अनूप विहार कॉलोनीवासियों की मांग पर लोनिवि दुगड्डा ने स्टील गार्डर पुल के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेज दी है।

कौड़िया में गबर सिंह कैंप के समीप पनियाली गदेरे पर 36 मीटर स्टील गार्डर पुल के निर्माण के लिए 3.21 करोड़ की डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजी गई है। डीपीआर को जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

— निर्भय सिंह, अधिशासी अभियंता, लोनिवि दुगड्डा।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने निकाली हुंकार रैली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने जिला मुख्यालय में हुंकार रैली निकालकर प्रदर्शन किया। टीईटी परीक्षा की बाध्यता समाप्त करने समेत 13 सूत्री मांगों के संबंध में संघ ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर जल्द समस्याओं के निस्तारण की मांग की। कहा कि मांगों को लेकर सभी शिक्षक एकजुट हैं। चेतावनी दी कि जल्द ही समस्याओं पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को संघ ने डीईओ प्रारंभिक शिक्षा के कार्यालय से होते हुए कलक्ट्रेट परिसर तक रैली निकाली। जहां नाराज शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी ने कहा कि पिछले लंबे समय से मांगों के लिए आंदोलनरत हैं, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने टीईटी से मुक्त रखने के साथ ही प्रारंभिक शिक्षा में त्रिस्तरीय कैडर व्यवस्था लागू करने, पूरे सेवा काल में एक बार जिला कैडर बदलाव व तीन पदोन्नतियां करने, प्रोन्नत वेतमान में एक वेतन वृद्धि के साथ ही पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। इस मौके पर संगठन मंत्री भोपाल सिंह रावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नेगी, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री दलीप कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

ओटीपी व्यवस्था को अनिवार्य के बजाय वैकल्पिक बनाया जाए

श्रीनगर गढ़वाल : गैस सिलिंडर वितरण में अनिवार्य किए गए ओटीपी सिस्टम के विरोध में हिंसरियाखाल क्षेत्र के गैस उपभोक्ताओं ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था में सुधार की मांग की है। हिंसरियाखाल क्षेत्र के नरेश उमरियाल के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि जिन उपभोक्ताओं की केवाईसी प्रक्रिया पूरी है उन्हें भी बिना ओटीपी सिलिंडर नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के चलते समय पर ओटीपी प्राप्त नहीं हो पाता जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वहीं मलेथा के अचल नेगी ने बताया कि बुजुर्ग और अशिक्षित लोग ओटीपी प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। कई बार ओटीपी न मिलने पर डिलीवरी कर्मी सिलिंडर वापस ले जाते हैं।

यूकेडी ने जिला मुख्यालय में किया प्रदर्शन, लगाया लापरवाही का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों पर विरोध जताते हुए सोमवार को उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय के समीप प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए वन विभाग और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों का तत्काल स्थानांतरण किया करने और मृतकों के आश्रितों को नौकरी और उचित मुआवजा देने की मांग की। यूकेडी नेता आशुतोष नेगी,

युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप रावत और महिला प्रकोष्ठ की केंद्रीय अध्यक्ष मेजर संतोष भंडारी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में जिले में भालू और गुलदार के हमलों में कई लोगों की जान जा चुकी है। कई परिवारों ने अपने घर के मुखिया और कमाने वाले सदस्य खो दिए लेकिन संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और डीएफओ को ज्ञापन देने के बावजूद हालात में सुधार नहीं हुआ। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन में करने वालों में जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी, गौरव चंदोला, अजय चंदोला, दीप्ती, नीरजा खुगशाल आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

पर्यटन मंत्री महाराज ने किए बद्री-केदार के दर्शन

पूजा-अर्चना के साथ देश-प्रदेश में सुख, समृद्धि की कामना

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने केदारनाथ-बद्रीनाथ के दर्शन, पूजा एवं अर्चना कर देश-प्रदेश की समृद्धि और विश्व को वैश्विक संकट से मुक्त की कामना की और यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा इस वर्ष भी रिकॉर्ड स्तर पर चल रही है। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा देवभूमि उत्तराखंड की आध्यात्मिक शक्ति पूरे विश्व को सकारात्मक ऊर्जा देती है। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को श्री केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम पहुंच कर मंदिरों में दर्शन के दौरान देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति के लिए प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने विश्व को वर्तमान वैश्विक संकटों से निजात दिलाने और मानवता में शांति व सद्भाव स्थापित करने की भी कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। उन्होंने चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष पूजा की। श्री सतपाल महाराज ने बताया कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं का उनके द्वारा अपनी संस्था मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से 10 करोड़ की धनराशि का दुर्घटना बीमा करवाया गया है। बीमा प्रीमियम की धनराशि 3 लाख 67 हजार 995 का चैक सेवाकर सहित बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक धाम का दुर्घटना बीमा 2.50 करोड निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि बीमा पॉलिसी के अनुसार मंदिर परिसर में भगदड़, ईश्वरीय जोखिम और आतंकवाद जोखिम पर प्रभावित प्रत्येक श्रृद्धालु को एक लाख की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि श्रृद्धालु यात्रा में आने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार तैयारी करें। कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आवश्यक दवाएं और उपकरण साथ रखें। यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में पहचान पत्र और यात्रा अनुमति साथ रखें। यात्रा के दौरान सरकार की गाईड लाईन और दिशा निर्देशों का पालन अवश्य करें। स्थानीय प्रशासन का सहयोग करते हुए आपनी यात्रा को सुरक्षित और सफल बनायें। इस मौके पर उनकी पुत्रवधू श्रीमती आराध्या रावत एवं श्रीमती मोहिना रावत भी मौजूद रहीं।

शिक्षकों ने दी न्यायालय जाने की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) चड़ीगांव के शिक्षकों ने शिक्षक कैडर निर्माण के संबंध में महानिदेशक विद्यालय शिक्षा, उत्तराखंड को ज्ञापन भेजा। टीचर एजुकेटर फोरम के डायट संयोजक डॉ. जेएस पुंडीर के नेतृत्व में डायट प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर के माध्यम से प्रतिनियुक्तियों के तहत होने वाली नियुक्तियों पर भी आपत्ति जताई। कहा कि किसी भी शासनादेश में डायट में विषय आधारित विशेष नियुक्ति का प्रावधान नहीं है इसलिए विषय के आधार पर किसी भी प्रवक्ता को अतिरिक्त घोषित करना न्यायसंगत नहीं है। शिक्षकों ने बताया कि वर्तमान में एससीईआरटी और डायट में एक ही विज्ञप्ति के माध्यम से नियुक्तियां होती रही हैं, लेकिन केवल प्रशिक्षण संस्थानों में ही प्रवक्ताओं का समायोजन किया जाना विभेदपूर्ण है। कहा कि भारत सरकार की गाइडलाइन में प्रतिनियुक्ति का कोई उल्लेख नहीं है। यदि डायट में प्रतिनियुक्ति के तहत नियुक्तियां की जाती हैं तो यह संस्थान की मूल अवधारणा के विपरीत होगा।

सुलभ शौचालय का काम छह माह से अधूरा

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला की सुस्त कार्यशैली का खामियाजा व्यापारियों, स्थानीय लोगों और चारधाम यात्रा मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का कार्य बीते छह माह से धीमी गति से चल रहा है। तय समय सीमा बीतने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं होने से लोगों में नगर पंचायत के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर पंचायत चमियाला की ओर से बाजार क्षेत्र में करीब 20 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय का निर्माण शुरू कराया गया था। इसका उद्देश्य व्यापारियों, गांवों से खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाले ग्रामीणों और चारधाम यात्रा पर आने–जाने वाले यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराना था। निर्माण कार्य को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन निर्धारित समय बीतने के दो माह बाद भी शौचालय अधूरा पड़ा है। चमियाला में पहले से मौजूद दूसरा शौचालय बाजार क्षेत्र से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बाजार आने वाले ग्रामीणों को भी काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान बाजार में आवाजाही बढ़ने के बावजूद शौचालय निर्माण में तेजी नहीं लाई जा रही है जिस धीमी गति से शौचालय का निर्माण चल रहा है उस स्थिति में कार्य पूरा होने में दो से तीन माह का वक्त और लग सकता है।

ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन श्रीनगर और उत्तरांचल औषधि व्यवसायी महासंघ ने ऑनलाइन दवा बिक्री और औषधि नियमों में दी गई ढील पर राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष अजय काला और उपाध्यक्ष अनिल ढौंडियाल ने कहा कि एंटीबायोटिक्स और आदत बनाने वाली दवाओं की आसान उपलब्धता जनस्वास्थ्य के लिए खतरा बन रही है। उन्होंने कहा कि बिना सही प्रिस्क्रिप्शन, कमजोर निगरानी और फार्मासिस्ट से सीधे संपर्क न होने के कारण नकली दवाओं और गलत भंडारण का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी गंभीर समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि बड़े कॉरपोरेट घराने भारी छूट और प्रिडेटरी प्राइसिंग से छोटे केमिस्टों के कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। व्यापारियों ने कहा कि कोविड–19 के दौरान जारी अधिसूचना जीएसआर 220 (ई) का अब गलत इस्तेमाल हो रहा है।

बसें कम होने से बढ़ी यात्रियों की परेशानी

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा सीजन के चलते श्रीनगर रोडवेज बस अड्डे से देहरादून के लिए सीधी बस सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। कई बसों को यात्रा ड्यूटी में लगाए जाने से यात्रियों को पर्याप्त बसें नहीं मिल पा रही हैं, जिससे बुजुर्गों और छोटे बच्चों के साथ सफर करने वालों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

यात्रियों का कहना है कि रोडवेज उन्हें पहले ऋषिकेश जाने और वहां से दूसरी बस लेने की सलाह दे रहा है, लेकिन अधिक सामान और परिवार के साथ यात्रा करने वालों के लिए यह मुश्किल साबित हो रहा है। गांवों से जरूरी कामों के लिए देहरादून आने-जाने वाले लोगों को भी घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। श्रीनगर रोडवेज डिपो प्रभारी अशोक काला ने बताया कि पहले श्रीनगर से देहरादून के लिए करीब 10 सीधी बसें चलती थीं लेकिन यात्रा ड्यूटी के कारण कुछ सेवाएं प्रभावित हुई हैं। वर्तमान में सुबह 6 बजे, 7 बजे, 9:30 बजे, 11 बजे और 12 बजे बस सेवाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा सीजन में यात्रियों की संख्या बढ़ने से असुविधा हो रही है, जबकि ऋषिकेश के लिए बस सेवाएं सामान्य हैं। (एजेंसी)

आग से रातभर धधकते रहे लंबगांव रेंज के जंगल

नई टिहरी। लंबगांव रेंज के जंगल में रविवार देर शाम अचानक भीषण आग भड़क उठी जिससे कई हेक्टेयर वन क्षेत्र आग की चपेट में आ गई जिसमें वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। वन विभाग की टीम रातभर आग बुझाने के प्रयास में जुटी रही। सोमवार को दोपहर बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बीती शाम को संयारी, बौंसाडी तोक जंगलों में दो अलग–अलग स्थानों पर अचानक आग भड़क गई। तेज हवा के साथ आग भी तेजी से फैलती गई चली गई। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि वन विभाग की टीम को आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना पर रेंजर सौरभ सिंह के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम आग बुझाने पहुंची। टीम देर रात तक आग बुझाने के प्रयासों में जुटी रही लेकिन विकराल रूप धारण कर चुकी आग पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो गया था। सोमवार तड़के से टीम पुनः आग बुझाने में जुट गई थी। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर ही आग पर काबू पाया जा सका।

शिक्षकों ने निकाली हुंकार रैली

नई टिहरी। जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संगठन से जुड़े शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से मुक्त रखने सहित 13 सूत्री मांगों के निराकरण को लेकर सुमन पार्क से कलेक्ट्रेट तक हुंकार रैली निकाली। संगठन के पदाधिकारियों ने डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को समस्याओं का जल्द समाधान करने को लेकर ज्ञापन भेजा। जिले के विभिन्न स्कूलों में कार्यरत जूनियर हाईस्कूल शिक्षक सोमवार को नई टिहरी के सुमन पार्क में एकत्रित हुए। वहां से नारेबाजी करते हुए ने शिक्षक ढाईजर होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां पर शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री जगवीर खरोला ने कहा कि शिक्षक लंबे समय 13 सूत्री मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने के विरोध में शिक्षकों को हुंकार रैली निकालनी पड़ी। महामंत्री उम्मेद नेगी ने कहा कि शिक्षकों को टीईटी से अवमुक्त करने, उच्चीकृत जूनियर हाईस्कूलों का पृथक से संचालन करने, 17140 की वसूली पर रोक लगाने, ओपीएस की बहाली, गोल्डन कार्ड के तहत शिक्षकों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने, सेवाकाल तक तीन पदोन्नति सहित 13 सूत्री मांगे शामिल हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स टीम मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने उतरेगी। रायल्स ने अब तक इस सत्र में 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं दूसरी ओर सुपरजायंट्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है और वह इस मैच में निडर होकर खेलते हुए रॉयल्स का खेल बिगाड़ने का प्रयास करेगी। उसके चार मैचों में केवल 8 अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स टीम पिछले मैच की गलतियों को इस मैच में नहीं दोहराना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी और उसने कई कैच छोड़े थे। इसी कारण उसे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सुपरजायंटस ने अपने पिछले तीन मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तक को हराया है। ऐसे में इस मैच में रॉयल्स को सतर्क रहना है।

वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो दोनो के बीच अब तक 7 मैच हुए हैं। जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 5 जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 जीते है। ऐसे में मुकाबला तकरीबन बराबरी का रहा है। जयपुर के मैदान में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। अब तक यहां हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाये हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जोफ्रा आर्चर, रवींद्र जडेजा संभालेंगे। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाज मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर अधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी प्रिंस यादव, के अलावा मोहम्मदश शमी के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में रॉयल्स पर जीत के लिए दबाव रहेगा जिसका लाभ भी सुपरजायंट्स उठाना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, यशराज पुंजा

इम्पैक्ट प्लेयर- शुभम दुबे

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, एडेन मार्कराम, मुकुल चौधरी, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- जोश इंगलिस

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड को जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी। यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में ऑलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का ऑलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरूरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

वरुण को चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी कराना केकेआर को पड़ सकता है भारी

-बीसीसीआई लेगा एक्शन

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के बाद भी उनसे 4 ओवर फिंकवाये। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) केकेआर पर कार्रवाई कर सकता है। केकेआर पर आरोप है कि उसने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने के बावजूद उस मैच में उतारा। बीसीसीआई इसे गंभीरता से ले रहा है। इसका कारण है कि वरुण भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं। वह बीसीसीआई की सेन्ट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के अहम खिलाड़ी हैं। आईपीएल में चोट के बावजूद उनके इस्तेमाल से उनकी फिटनेस का संकट गहरा सकता है जिससे इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी उपलब्धता साफ तौर पर प्रभावित होगी।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'मुझे पता है कि केकेआर के फीजियो टीम इंडिया के फीजियो के संपर्क में हैं। एक पिछले मैच में केकेआर की तरफ से बीसीसीआई को बताया गया था कि बाउंड्री पर फील्डिंग करते वक्त वरुण के बाएं पैर में चोट लगी है। समझा जा रहा कि उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम इस मामले में दखल दे सकती है।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये या किसी और को अवसर दिया जाये।

यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरत की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने अब तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाए हैं, औसत 44 और स्ट्राइक रेट 161.33 रहा है।

उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड हालांकि प्रभावशाली है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें से 40 में जीत हासिल की है, जबकि 8 में हार का सामना करना पड़ा और 2 मैच टाई रहे है।

लखनऊ के खिलाफ मैच से पहले पंजाब किंग्स को बड़ी राहत, अर्शदीप सिंह पूरी तरह फिट हुए

नई दिल्ली ।पंजाब किंग्स ने सोमवार को अपने मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस को लेकर एक मजबूत स्पष्टीकरण जारी किया।टीम ने जोर देकर कहा कि यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज पूरी तरह से फिट है और IPL 2026 के एक अहम दौर से पहले टीम के साथ जोरदार ट्रेनिंग कर रहा है।हाल की उन रिपोर्टों के विपरीत जिनमें अर्शदीप की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई गई थी, फ्रेंचाइजी ने पुष्टि की कि अर्शदीप (जो इस सीजन में 13 मैचों में 14 विकेट लेकर टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं) उनकी योजनाओं का एक अहम हिस्सा बने हुए हैं।फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'रिपोर्ट्स के उलट हम यह कन्फर्म करना चाहेंगे कि हमारे लीडिंग फास्ट बॉलर और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी अर्शदीप सिंह पूरी तरह से फिट हैं और टीम के साथ एक्टिवली ट्रेनिंग कर रहे हैं।टीम मैनेजमेंट उनकी प्रोग्रेस से पूरी तरह खुश है और जैसे ही हम टूर्नामेंट के एक अहम मुकाबले की ओर बढ़ रहे हैं, वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।नेट्स में उनकी एनर्जी, रिदम और कमिटमेंट बहुत ही उत्साहजनक रही है और हमें पूरा भरोसा है कि वह आगे भी पंजाब किंग्स के लिए एक अहम भूमिका निभाते रहेंगे।' लगातार दो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जीत के साथ कामयाबी की ऊंचाइयों को छूने के ठीक दो महीने बाद अर्शदीप अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं रहे हैं और उनका असामान्य रूप से महंगा साबित होना PBKS के फॉर्म में अचानक आई गिरावट की एक वजह रहा है।इसने उस मोमेंटम को खत्म कर दिया है जो उन्होंने टूर्नामेंट के बीच में बनाया था। PBKS की बात करें तो पिछले तीन हफ्तों में उनका कैंपेन तेजी से नीचे गिरा है और धर्मशाला में डिफेंडिंग चैंपियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 23 रन की हार के साथ उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को एक और झटका लगा है।लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ एक मैच बाकी होने के साथ ज्यादा-ज्यादा से ज्यादा 15 पॉइंट्स के साथ अपना अभियान खत्म कर सकती है।लेकिन दस टीमों वाले इस टूर्नामेंट के आखिरी चार स्टेज में पहुंचने के लिए वे अभी भी दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर हैं।

जडेजा की अनुपस्थिति को लेकर कोच और कप्तान के बचानों से संशय गहराया

नई दिल्ली ।आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां हुए मुकाबले में जस्थान रॉयल्स के प्रमुख ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं थे।जिसको लेकर कोच और कप्तान के अलग-अलग बयान आये हैं जिससे लगता है कि रॉयल्स में सब कुछ ठीक नहीं है। टॉस के समय राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी के पीछे वर्कलोड मैनेजमेंट को वजह बताया था।पराग ने कहा, जडेजा अपने वर्कलोड मैनेजमेंट और उस सब की वजह से इस मैच का हिस्सा नहीं बन पाए हैं।जडेजा की जगह इस मैच में रवि सिंह को आईपीएल डेब्यू करने का मौका मिला, जिससे यह लगा कि टीम एक स्थापित खिलाड़ी को आराम देकर युवा प्रतिभा को आज़मा रही है। हालांकि, मैच में हार के बाद बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जडेजा के बाहर होने का कारण घुटने में थोड़ी तकलीफ बताया। उन्होंने कहा, उसके घुटने में बस थोड़ी सी तकलीफ थी। वे बस उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं।उन्हें लगा कि अगर हम उसे एक और गेम ब्रेक दें, तो यह उसके लिए अच्छा होगा।इसी वजह से उसे आज आराम दिया गया।कप्तान और कोच के इन विरोधाभासी बयानों से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जडेजा की गैरमौजूदगी का असली कारण क्या था वर्कलोड मैनेजमेंट या चोट।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है।शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है।ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है।ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये।साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा।उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है।यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है।जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी उनका आतिशी बल्लेबाजी जारी रही।इस सत्र में वैभव ने केवल 11 पारियों में 236.56 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 440 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया उनका 36 गेंदों में तेज शतक रहा।इस सत्र में उन्होंने सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाकर भी अपने को साबित किया है। शास्त्री ने कहा कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव को शामिल किया जाना चाहिये।उन्होंने कम उम्र के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि हमें केवल उसका खेल देखन चाहिये।उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से दावेदार है। और जब आयरलैंड जैसे दौरे हो रहे हैं, तो मैं उसे तुरंत खेलते देखना चाहूंगा।

चहल से रिश्ता दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं : आरजे महवश

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से रिश्ते की अटकलों पर आरजे महवश ने विराम लगा दिया है। इससे पहले कहा जा रहा था कि वह चहल के साथ रिलेशनशिप में हैं। गौरतलब हैं कि चहल के उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक के बाद से ही महवश का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों का साथ दिखना हो या आईपीएल मैचों में महवश का चहल को स्टैंड्स से चीयर करना, सोशल मीडिया पर हमेशा इस बात पर बहस छिड़ी रहती थी कि उनका रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है या नहीं। हाल ही में दोनों के एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने की खबर ने इस चर्चा को और भी हवा दे दी थी। अब, आरजे महवश ने इन सभी अटकलों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरी स्थिति स्पष्ट की है।

महवश ने बताया, लोग छोटी-छोटी चीजों को बहुत बड़ी बना देते हैं। जब आप उस स्थिति से गुजरते हैं, तो वह उतनी बड़ी बात होती नहीं है। हम दोनों के बीच कुछ नहीं हुआ है यार। दो दोस्तों के बीच बस एक बहस हुई, एक-दूसरे को फॉलो-अनफॉलो किया और बात वहीं खत्म हो गई। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दोस्तों के साथ आपने सबसे बुरे जोक्स पर भी हंसा हो या सबसे गंदी बातों पर चर्चा की हो, उनके लिए दिल में कोई मतभेद नहीं रखना चाहिए।

चहल के प्रति अपनी भावनाओं को लेकर महवश ने साफ किया कि वह हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आप किसी से नफरत तब रख सकते हैं जब वो इंसान अस्पताल में हो और आप उससे मुंह फेर पाएं। वरना कोई फायदा नहीं है। ज़िंदगी बहुत छोटी है। लोग जैसे हैं उन्हें वैसे स्वीकार करें और ज़िंदगी में आगे बढ़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बहसबाजी एक आम दोस्तों की लड़ाई का नतीजा थी और इसमें कोई बड़ी बात नहीं थी।

जब उनसे सीधा पूछा गया कि क्या उनका रिश्ता कभी दोस्ती से ज्यादा था, तो आरजे महवश ने इसे पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, नहीं। मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात का खुलासा किया कि उस समय युजवेंद्र चहल को एक दोस्त की बहुत जरूरत थी। महवश ने बताया कि चहल ने अपने एक पॉडकास्ट में सुसाइडल थॉट्स के बारे में बात की थी, और उस कठिन समय में वे सभी दोस्त मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका आईपीएल का वह सीजन अच्छे से निकल जाए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय टीम आज घोषित करेगा बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के साथ ही एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित करेगा। ञ भारतीय टीम अफगानिस्तान से ये मुकाबले जून में खेलेगी। एकमात्र टेस्ट के बाद 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कुछ युवाओं को अवसर मिल सकता है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवओं को भ अवसर मिल सकता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से उपकप्तानी छीनी जा सकती है। उनकी जगह पर यशस्वी जायसवाल को उपकप्तानी सौंपी जा सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। उनकी जगह पर आकिब नबी डार को अवसर मिल सकता है। संभावित टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, साई सुदर्शन, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और आकिब नबी डार।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम की करें तो 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देकर युवा प्रिंस यादव को अवसर मिल सकता है। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में प्रिंस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यशस्वी जायसवाल की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ को शायद ही जगह मिले। उनकी जगह ईशान विकेटकीपर के साथ ही आक्रामक बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और प्रिंस यादव।

लिएंडर पेस की मां ओलंपियन जेनिफर पेस का निधन, कैंसर से थीं पीड़ित

नई दिल्ली। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और ओलंपियन जेनिफर पेस का रविवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया।जेनिफर 72 वर्ष की थीं और वह भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की मां थीं।परिवार के एक सूत्र ने बताया, 'वह कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित थीं और उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज कोलकाता के सेंट थॉमस चर्च में हुआ।' उनका जन्म का नाम जेनिफर डटन था और वह प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त की वंशज थीं। उन्होंने वर्ष 1972 के म्यूनिख ओलंपिक 1972 में भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया और बाद में टीम की कप्तान भी बनीं। भारतीय महिला बास्केटबॉल में उन्हें प्रमुख हस्तियों में गिना जाता है।जेनिफर पेस एक प्रतिष्ठित खेल परिवार से जुड़ी थीं।उनके पति डॉ. वेसे पेस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जिसने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया था।उनका निधन अगस्त 2025 में हुआ था।उनके बेटे लिएंडर पेस ने भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। लिएंडर ने अपने करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब भी अपने नाम किए।

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन ।इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है।इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं।बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है।इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है।बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं।उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है।स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है।एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लरॉय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं।लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है।वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ भी सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं।

CSK vs SRH एक वर्चुअल नॉकआउट मैच हो सकता है : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच गया है, जहां बाकी बचे तीन प्लेऑफ स्पॉट तय होने हैं। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले मुकाबले को एक 'वर्चुअल नॉकआउट मैच' बताया है। उनका मानना है कि यह मैच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से बहुत अहम साबित हो सकता है।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉप-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में अगर SRH सोमवार को ञ्चिदंबरम स्टेडियम में होने वाला मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ में उसकी जगह भी पक्की हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो गुजरात टाइटंस की जगह भी प्लेऑफ में पक्की हो जाएगी और फिर सिर्फ एक ही स्पॉट खाली बचेगा।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'यह CSK का इस सीजन का आखिरी घरेलू मैच है। पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह मैच दोनों ही टीमों के लिए, खासकर घरेलू टीम के लिए जीतना बेहद जरूरी है। उन्हें खिलाड़ियों की चोटों से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद अंशुल कंबोज, उर्विल पटेल और दोनों स्पिनरों जैसे खिलाड़ियों ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। अगर उन्हें SRH के बड़े-बड़े हिटर्स को रोकना है, तो इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन एक बार फिर अहम साबित होगा।'

उन्होंने कहा, 'SRH अपनी पिछली हार से जरूर निराश होगी। लेकिन, उनके पास अभी भी 18 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, इसलिए वे आखिरी मैच तक इंतजार नहीं करना चाहेंगे। मेरी राय में यह मैच दोनों ही टीमों के लिए एक वर्चुअल नॉकआउट मैच जैसा हो सकता है। जो भी टीम यह मैच जीतेगी, वह प्लेऑफ में जगह बनाने के और भी करीब पहुंच जाएगी। इस मैच में बहुत कुछ दांव पर लगा है और चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा, इसलिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक शानदार मुकाबला होने वाला है।'